(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

ट्रडिशनल किरदारों में नजर आने वालीं...8

शनिवार, 21 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 245 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारत में कोरोना वायरस के 36,571 नए मामले, 540 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के 36,571 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,23,58,829 पर पहुंच गयी जबकि इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की दर 97. 54 प्रतिशत हो गयी जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 540 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,33,589 पर पहुंच गयी है। संक्रमण की साप्ताहिक संक्रमण दर 1.93 प्रतिशत दर्ज की गयी। पिछले 56 दिनों से यह तीन प्रतिशत से कम है। इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 3,15,61,635 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। भारत में कोविड–19 मामलों का आंकड़ा सात अगस्त, 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गया था। यह 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख को पार कर गया था।

इसने 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार किया था। देश में संक्रमण के मामलों की संख्या चार मई को दो करोड़ और 23 जून को तीन करोड़ के आंकड़े को पार कर गई थी। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को सुबह तक देशव्यापी कोविड–19 रोधी टीके की 57. 22 करोड़ खुराक दी गयी है। देश में जिन 540 और लोगों ने जान गंवाई है उनमें से 197 की मौत केरल में और 154 की महाराष्ट्र में हुई। इस महामारी से अब तक कुल 4,33,589 लोगों की मौत हो चुकी है।

इनमें से सबसे अधिक 1,35,567 लोगों की मौत महाराष्ट्र में, 37,088 की कर्नाटक में, 34,639 की तमिलनाडु में, 25,079 की दिल्ली में, 22,789 की उत्तर प्रदेश में, 19,246 की केरल में और 18,337 लोगों की मौत पश्चिम बंगाल में हुई।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 70 प्रतिशत से अधिक लोगों की मौत मरीजों के अन्य बीमारियों से पीड़ित होने के कारण हुईं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे आंकड़ों का भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

150 साल पुरानी गरतांग गली सैलानियों के लिए फिर खुली, भारत–चीन युद्ध के बाद आवाजाही पर लगी थी रोक

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की नेलांग घाटी पर स्थित ऐतिहासिक गरतांग गली सैलानियों के लिए फिर से खोल दी गई है। आपको बता दें कि साल 1962 में हुए भारत–चीन युद्ध के बाद 150 साल पुरानी गरतांग गली पर सैलानियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारत–तिब्बत व्यापार की गवाह रही गरतांग गली करीब 11,000 फुट की ऊंचाई पर बनी है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के आदेश के बादद 150 मीटर लंबी सीढ़ियों वाली गरतांग गली को फिर से खोल दिया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि कोरोना प्रोटोकॉल और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक बार में 10 पर्यटकों को ही पुल पर जाने दिया जा रहा है। पेशावर से आए पठानों ने 150 साल पहले इस पुल का निर्माण किया था। आजादी से पहले तिब्बत के साथ व्यापार के लिए उत्तकाशी में नेलांग वैली होते हुए तिब्बत ट्रैक बनाया गया था। कैसे बनाई गई गरतांग गली ?: जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से मिली जानकारी के मुताबिक भैरोंघाटी के नजदीक खड़ी चट्टान वाले हिस्से में लोहे की रॉड गाड़कर और फिर लकड़ी बिछाकर रास्ता तैयार किया गया था। इस गली के सहारे लोगों को बड़ी राहत मिली थी। ऊन, चमड़े से बने कपड़े और नमक तिब्बत से उत्तरकाशी के बाड़ाहाट पहुंचाया जाता था। इसे भी पढ़ेंरू साल में सिर्फ रक्षाबंधन के दिन खुलते हैं इस मंदिर के कपाट, जानिए क्या है इसका रहस्य बता दें कि गरतांग गली से नेलांग घाटी का बेहतरीन नजारा दिखाई देता है। वहीं साल 2015 से सैलानियों के लिए नेलांग घाटी तक जाने के लिए भारत सरकार की ओर से अनुमति दे दी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि गरतांग गली ट्रैकिंग के शौकीन लोगों का एक मुख्य केंद्र बन रहा है और स्थानीय लोगों और साहसिक पर्यटन से जुड़े लोगों को इसका फायदा मिल रहा है।

राजनाथ सिंह ने सेना के लिए पांच ट्रॉमा केयर एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने आवास से पांच ट्रॉमा केयर एम्बुलेंस के बेड़े को हरी झंडी दिखाई। ये एम्बुलेंस एक गैर लाभकारी संगठन ने जम्मू–कश्मीर में तैनाती के लिए सेना को दी हैं। ये एम्बुलेंस 'बॉर्डरलेस वर्ल्ड फाउंडेशन' ने कश्मीर में नियंत्रण रेखा की सुरक्षा में तैनात सेना की चिनार कोर को प्रदान की हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय सहस्रबुद्धे ने कहा, ''ये एम्बुलेंस जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर स्थित पांच सेक्टरों में तैनात रहेंगी और इनका संचालन भारतीय सेना करेगी।'' उन्होंने बताया कि कुपवाड़ा और बारामूला जिले में इन्हें गुरेज, माछिल, केरान, तंगधार और उरी सेक्टरों में तैनात किया जाएगा। भाजपा की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेव इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। उन्होंने बताया कि सेना इन वाहनों का इस्तेमाल अपने जवानों और स्थानीय लोगों के लिए करेगी। इस कार्यक्रम में बॉर्डरलेस वर्ल्ड फाउंडेशन के अध्यक्ष अधिक कदम, कोटक महिंद्रा बैंक के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह और भाजपा नेता श्याम जाजू एवं राजीव कोहली भी मौजूद थे।

दिल्ली में नाबालिग से बलात्कार और हत्या मामला, राहुल गांधी ने सोशल मीडिया अकाउंट से हटाया पोस्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली में नाबालिग के साथ बलात्कार और हत्या मामले को लेकर सियासत गर्मायी हुई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी और उनसे जुड़ा हुआ पोस्ट सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया था। जिसके बाद ट्विटर ने कार्रवाई करते हुए उनके अकाउंट पर रोक लगा दी थी। हालांकि पीड़ित परिवार की तरफ से पत्र मिलने के बाद राहुल गांधी के अकाउंट को बहाल कर दिया गया था। बता दें कि राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट से इससे जुड़ा हुआ पोस्ट हटा दिया है। दरअसल, राहुल गांधी ने पीड़िता के परिवार से मुलाकात के बाद उनकी तस्वीरें शेयर कर पहचान उजागर कर दी थी। इसी सिलसिले में राहुल गांधी के साथ–साथ कांग्रेस के भी ट्विटर अकाउंट्स पर कंपनी ने कार्रवाई करते हुए रोक लगा दी थी। अब इससे इतर राहुल गांधी ने अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट हटा लिया है। गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में 9 साल की नाबालिग के साथ कथित तौर पर बलात्कार और फिर उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किए जाने का भी आरोप लगा था।

यूपी में हटाया गया वीकेंड लॉकडाउन

उत्तर प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीकेंड लॉकडाउन हटाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अब उत्तर प्रदेश में रविवार को भी बाजार खुल सकेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश में कोविड की बेहतर होती स्थिति के दृष्टिगत रविवार की प्रदेशव्यापी साप्ताहिक बंदी की व्यवस्था को समाप्त किया जा सकता है। अब से सभी शहरोंध्उद्योगोंध्कारखानों में, बाजारोंध्उद्योगोंध्कारखानों में, कोविड काल से पूर्व में प्रभावी रही साप्ताहिक बंदी की तिथि पर अवकाश लागू किया जाए। आपको बता दें कि कोरोना महामारी की वजह से उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन लगाया गया था। हालांकि अब मामलों में कमी देखी जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से वीकेंड लॉकडाउन हटाने का फैसला लिया गया है। वहीं, कोविड–19 के चलते रात में दीदार के लिये एक साल से बंद ताजहमल को 21 अगस्त से फिर से खोल दिया जाएगा। सत्रह मार्च 2020 को पहले कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान ताजमहल को रात में दीदार के लिये बंद कर दिया गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की हालत नाजुक

योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य की जानकारी ली

लखनऊ। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में भर्ती उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह (89) की स्थिति नाजुक बनी हुई है और शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। एसजीपीजीआई द्वारा शुक्रवार दोपहर जारी एक बयान के मुताबिक कल्ध्याण सिंह की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है और उनको जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। कल्ध्याण सिंह क्रिटिकल केयर मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी एवं कार्डियोलॉजी विभागों के वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. आर के धीमान उनके स्वास्थ्य से जुड़े सभी पहलुओं पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार सुबह उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और संस्थान के चिकित्सकों से विचार विमर्श किया। गौरतलब है कि 89 वर्षीय कल्याण सिंह को गत चार जुलाई को संक्रमण की वजह से एसजीपीजीआई के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। इससे पहले उनका इलाज डॉक्टर राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट में किया जा रहा था।

अफगानिस्तान से हर दिन भारतीयों को निकाला जा रहा सुरक्षित:सिंधिया

नयी दिल्ली। हमारे मुल्क भारत ने कभी भी अपनों को अकेला नहीं छोड़ा है। चाहे बात सीरिया की हो, ईराक की हो, यमन की हो या फिर बात अफगानिस्तान की। भारत सरकार ने हमेशा अपने लोगों को प्राथमिकता दी है। हाल के दिनों में अफगानिस्तान के हालात से पूरा विश्व वाकिफ है। ऐसे में भारत की मौजूदा मोदी सरकार ने शानदार काम करते हुए वहां से अपनों को निकालने में जुटी हुई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि हाल में अफगानिस्तान में जो स्थिति हुई उसमें भी हमारे मंत्रालय ने रोज फ्लाइट उड़ाकर काबुल से हमारे सभी नागरिकों को वापिस लाने का कार्य किया। रविवार तक हमारी फ्लाइट चल रही थी। उसके बाद काबुल का एयर स्पेस बंद हो गया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एयर स्पेस बंद होने के बाद भी हमारे प्रधानमंत्री का संकल्प था कि हमारे हर नागरिक की जिम्मेदारी हमारी होगी। भारतीय वायु सेना का विमान हम काबुल ले गए और हर दिन वहां से 130–150 नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के 33 प्रांतों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। जिसके बाद सेअफगानी लोग भी अपना मुल्क छोड़ने के लिए विवश हो गए हैं। जबकि तालिबान का कहना है कि वह पहले के मुकाबले नरम रुख अपनाएगी लेकिन ट्विटर पर जो वीडियो दिखाई देते हैं, उनकी वजह से भरोसा कर पाना मुमकिन नहीं है।

तालिबान के साथ संबंधों पर भारत को ''खुले दिमाग से सोचना'' चाहिए : यशवंत सिन्हा

नयी दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि तालिबान के साथ अपने संबंधों पर भारत को ''खुले दिमाग'' से सोचना चाहिए और सुझाव दिया कि इसे काबुल में अपना दूतावास खोलना चाहिए और राजदूत को वापस भेजना चाहिए। सिन्हा ने एक साक्षात्कार में कहा कि अफगानिस्तान के लोग भारत से बहुत प्यार करते हैं जबकि पाकिस्तान उनके बीच लोकप्रिय नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को यह नहीं सोचना चाहिए कि तालिबान ''पाकिस्तान की गोद में बैठ जाएगा'' क्योंकि हर देश अपने हित की सोचता है। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ा देश होने के नाते तालिबान के साथ मुद्दों को विश्वास के साथ उठाना चाहिए और ''विधवा विलाप'' नहीं करना चाहिए कि पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर कब्जा हो जाएगा या उसको वहां बढ़त मिलेगी। सिन्हा ने कहा कि सच्चाई यह है कि तालिबान का अफगानिस्तान के अधिकतर हिस्सों पर नियंत्रण है और भारत को ''इंतजार करो एवं देखो'' की नीति अपनानी चाहिए और उसकी सरकार को मान्यता देने या खारिज करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। सिन्हा ने कहा, ''2021 का तालिबान 2001 के तालिबान की तरह नहीं है। कुछ अलग प्रतीत होता है। वे परिपक्व बयान दे रहे हैं। हमें उस पर ध्यान देना होगा।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें उनके पिछले व्यवहार को देखते हुए खारिज नहीं करना चाहिए। हमें वर्तमान और भविष्य को देखना है।'' अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में सिन्हा विदेश मंत्री थे लेकिन वह मोदी सरकार के आलोचक हो गए और उन्होंने भाजपा छोड़ दी थी। वर्तमान में वह तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद भारत को दूतावास बंद करने और अपने लोगों को वहां से निकालने के बजाए इंतजार करना चाहिए था। गौरतलब है कि भारत ने बढ़ते तनाव को देखते हुए मंगलवार को अपने राजदूत रूद्रेंद्र टंडन और काबुल दूतावास के कर्मचारियों को वापस बुला लिया।

किसान के साथ केसीसी के नाम छियान नब्बे हजार की धोखा धडी,पुलिस ने कराया वापस

गोण्डा। जनसुनवाई में आये ठगी का शिकार हुए गरीब किसान को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल न्याय, दिलाकर ठगी किए गए ध्96000 वापस कराए।थाना इटियाथोक अतर्गत रहने वाले देवेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी पुत्र सुर्य प्रसाद त्रिपाठी ने जनपद बलरामपुर की स्टेट बैंक शाखा में अपना खाता खोलवाया हुआ है जहाँ से उसने ज़ब्ब पर रूपये 1,50,000ध्– का लोन लिया था। माह जुलाई 2020 में बैंक द्वारा किसान देवेंद्र प्रसाद को ध्96000 रूपया लोन बकाया बताया गया था। जिस पर देवेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी ने उस बैंक से जुड़े एजेन्ट नीरज मिश्रा को ज़ब्ब का बकाया 96000 रूपया बैंक में जमा करने हेतु दिया था। एजेन्ट नीरज मिश्रा ने उक्त रुपयों की फर्जी रसीद किसान देवेंद्र को दी थी। कुछ दिन बाद देवेंद्र द्वारा बैंक में जाकर जब अपने लोन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी की गई तो पता चला कि उसका बकाया पैसा बैंक में जमा ही नही है बल्कि एजेन्ट नीरज मिश्रा ने धोखाधड़ी व जालसाजी कर ध्96000 रूपय ठग लिये है। इस पर देवेंद्र ने बैंक में जाकर अपनी समस्या के समाधान के लिए कई बार बैंक मैनेजर व अन्य सम्बन्धित अधिकारियो से जाकर सम्पर्क किया तथा उक्त एजेन्ट नीरज मिश्रा से अपना पैसा वापस माँगा गया परन्तु उसकी समस्या का न तो कोई समाधान हुआ और न ही उसका पैसा वापस मिला। थक–हार कर देवेन्द्र प्रसाद ने जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत होकर अपने साथ हुई धोखाधड़ी व जालसाजी की घटना के बारे में बताकर अपना पैसा वापस दिलाने की फरियाद की थी जिस पर संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक को तत्काल अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही करने एवं पीड़ित को उसका पैसा वापस दिलाने के लिए निर्देश दिये थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशो के फलस्वरूप थाना इटियाथोक पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित को उसका पैसा वापस दिलवा दिया है। अपनी रकम को वापिस पाकर देवेन्द्र प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक गोण्डा का अभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप,जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा,राकेश तिवारी,विष्णु,महेश तिवारी,महेंद्र सिंह ,आशीष त्रिपाठी,अनुपम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने अंबेडकर चौराहे पर अंबेडकर जी को,लाल बहादुर शास्त्री चौराहे पर लालबहादुर शास्त्री को,दुखहरन नाथ मंदिर पर जलाभिषेक कर काली मंदिर पर दर्शन,गुरु नानक चौराहे पर दीपक अग्रवाल अपने साथियों के साथ स्वागत किया।

लापरवाह जिम्मेदारों के चलते,रेफर सेंटर बनकर रह गया है, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

इटियाथोक,गोंडा ।कस्बा इटियाथोक से सटे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महज रेफर सेंटर बनकर रह गया है।अस्पताल में न तो कोई विशेषज्ञ है और न ही अन्य सुविधाएं हैं।ऐसे में लोगों को उपचार के लिए 20 किलोमीटर दूर स्थित जिला चिकित्सालय जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।इस समय मौसम के बदलाव के चलते बुखार–खांसी के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।ऐसे में स्टाफ की कमी और सुविधाओं के अभाव में मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।अस्पतालों की दशा सुधारने के लिए सरकार भले ही दावे कर रही हो, लेकिन स्थिति उससे एक दम उलटा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटियाथोक पर लापरवाह जिम्मेदारों के कारण सुविधाओं का टोटा है।स्टाफ की कमी के चलते मरीजों को सही से उपचार नहीं मिल पा रही है। अस्पताल में रोजाना सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं। ऐसे में स्टाफ की कमी के चलते गंभीर बीमारी वाले मरीजों को अस्पताल से रेफर कर दिया जाता है।अस्पताल में हड्डी रोग, बाल रोग, स्त्री रोग आदि के विशेषज्ञ नहीं हैं। एक्सरे टेक्नीशियन के रूप में हरिओम यादव की तैनाती तो है, लेकिन अस्पताल में एक्सरे मशीन नहीं है। ऐसे में इन रोगों से ग्रस्त मरीजों को उपचार के लिए गोंडा, लखनऊ आदि शहरों की तरफ रुख करना पड़ता है। इसके अलावा सफाईकर्मी की कमी के चलते अस्पताल में सफाई व्यवस्था भी लचर है। अस्पताल में जगह–जगह जलभराव व दुर्गंध की भरमार है। वहीं विभाग के कुछ कर्मचारियों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया,कि लगभग तीन माह से अस्पताल में पीने के पानी की भारी किल्लत है। अस्पताल के कर्मचारियों सहित मरीज व उनके साथ आए तीमारदार बूंद–बूंद पानी को तरस रहे हैं। पूरा अस्पताल एक नल के सहारे प्यास बुझा रहा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि रात में चिकित्सा प्रभारी अस्पताल में नहीं रहते। सुविधाओं के अभाव में लोगों को प्राइवेट चिकित्सकों से इलाज करवाना पड़ता है।

बेटों की बेरुखी से एक वृद्ध महिला दर दर की ठोकरें खाने को विवश

करनैलगंज(गोंडा)। बेटों की बेरुखी से एक वृद्ध महिला दर दर की ठोकरें खाने को विवश है। पति की मृत्यु के बाद वरासत में न तो महिला का नाम दर्ज हुआ और न बेटे ही उसे कुछ दे रहे हैं। जिससे वृद्ध महिला भूखों मरने के लिए विवश है। मामला करनैलगंज विकासखंड के मजरा खजुरिया के निधान पुरवा का है। जहां लगभग 25 वर्ष पूर्व विमला देवी के पति की मृत्यु होने के बाद उसके नाम वरासत भी नहीं की गयी। बल्कि उसके तीनों बेटों के नाम वरासत कर दी गयी। विमला देवी बेटों के भरोसे थी। मगर अब बेटों ने भी उसे कुछ भी देना बंद कर दिया। जिससे वह दर–दर भटकने व भूखों मरने के लिए विवश है। दूसरी तरफ महिला द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा है कि उसका एक बेटा नशेड़ी नशेड़ी किस्म का है। उसको बहला–फुसलाकर उसके दामाद ने अपने बेटे राकेश उर्फ राजेश कुमार की पत्नी मीरा निवासी ग्राम पारा शुक्ल पुरवा के नाम से लगभग दो बीघा जमीन बैनामा करवा लिया। इससे महिला विमला देवी काफी परेशान है। महिला ने न्याय के लिए जिलाधिकारी से गुहार की है। उधर कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह बताते हैं कि कोई तहरीर प्राप्त नही हुई है। मामला राजस्व विभाग से सम्बंधित है।

हिंदूवादी संगठनों ने फूंका सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का पुतला

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तुलना तालिबान से किये जाने पर जताया आक्रोश

अयोध्या। हिंदू एकता आंदोलन पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में संभल के सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के उस बयान पर जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तुलना तालिबान से की थी रिकाबगंज हनुमानगढ़ी पर पुतला दहन करते हुए हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा आक्रोश प्रकट किया गया भारतीय जनता पार्टी के नेता राजीव कुमार शुक्ल के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया आक्रोश प्रकट करते हुए राजीव कुमार शुक्ला ने कहा कि देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तुलना तालिबान से किए जाने की घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी ही कम है सपा सांसद शफीक उर रहमान की है ओछी मानसिकता को दर्शाता है इस अवसर पर हिंदू एकता आंदोलन पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष पांडेय ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा कि भारत में बैठे हुए तालिबान समर्थकों और उनके स्लीपर सैलो के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की आवश्यकता है शफीकुर्हमान एवं मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के प्रवक्ता सज्जाद नोमानी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं तालिबान को बधाई देकर तालिबान से करके राष्ट्रद्रोह पूर्ण कृत्य किया है इनकी तत्काल प्रभाव से गिरफ्तारी किए जाने की आवश्यकता है भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश जायसवाल ने कहा कि शफीकुर्रहमान का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है ऐसे तत्वों को अफगानिस्तान भेज जाने की आवश्यकता है उन्होंने कहा की शफीकुर्रहमान का बयान करोड़ों भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान है पार्षद रीना द्विवेदी ने कहा कि तालिबान के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है वहां महिलाओं की स्थिति बेहद बदतर है विश्व समुदाय को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए पुतला दहन में प्रमुख रूप से शशि रानी शर्मा पायल जयसवाल शांति गुप्ता मोनिका सिंह काजल पाठक अरविंद त्रिवेदी अजय ओझा जितेश राजपाल अर्जुन लाल गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे

कुलपति ने कई विभागों का किया औचक निरीक्षण

शिक्षकों व कर्मचारियों के अनुपस्थित पाये जाने जताई नाराजगी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने गुरूवार को प्रातः 10:15 बजे परिसर के विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें परिसर के दीक्षा भवन में संचालित शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान, समाज कार्य, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ के विभागों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थित का मुआयना किया। इसके उपरांत प्रचेता भवन में हिन्दी, अंग्रेजी, सिंधी, जनसंचार एवं पत्रकारिता, योग विभाग का निरीक्षण करते हुए आचार्य नरेन्द्र देव महिला छात्रावास, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास, बायोटेक्नोलॉजी विभाग होते हुए भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति का जायजा लिया। परिसर के कई विभागों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समय पर उपस्थित न होने पर कुलपति प्रो0 सिंह ने नाराजगी जताई है। कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों एवं प्रभारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विभागों उपस्थिति सुनिश्चित करें। शिक्षक एवं कर्मचारी के अनुपस्थित पाये जाने पर उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में 16 अगस्त से कक्षाएं भौतिक रूप से प्रारम्भ हो चुकी है। 14 अगस्त को समस्त शिक्षकों के साथ बैठक में शिक्षकों को निर्देशित भी किया गया है कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारी विभागों में समय से उपस्थित हों। कुलपति ने शिक्षकों से कहा कि कोविड प्रोटोकॉल में कक्षाएं एवं शैक्षणिक कार्य संपादित करें। अन्य दिनों के निरीक्षण में अनुपस्थित पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

बच्चों की शिक्षा के लिए मोहल्ला क्लास की उपयोगिता हुई सफल साबित

करनैलगंज(गोंडा)। दो वर्ष से अधिक समय से बन्द चल रहे प्राथमिक स्तर विद्यालय के बच्चों की शिक्षा के लिए मोहल्ला क्लास की उपयोगिता सफल साबित हो रही है। परिषदीय विद्यालय खोलने के आदेश के साथ–साथ शिक्षक शिक्षिकाओं को गांव–गांव में घूमकर बच्चों को एकत्र करके मोहल्ला क्लास चलाने के निर्देश दिए गए। जिस पर शिक्षकों की पहल रंग ला रही है। गांव गांव में मोहल्ला क्लास में सभी बच्चे पढ़ने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। वहीं उनके अभिभावकों की माना जाए तो 2 वर्षों से बन्द चल रहे विद्यालय से अभिभावक भी परेशान नजर आ रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों ने जो पढ़ा था वह भी भूल गए और उन्हें कक्षाउन्नति करके प्रमोट कर दिया गया। मगर उनकी शिक्षा 2 साल पीछे पहुंच गई। जिसकी भरपाई के लिए शिक्षा विभाग द्वारा चलाया गया मोहल्ला क्लास पूरा करने में सफल साबित हो रहा है। इसका नमूना प्राथमिक विद्यालय टेंगनहा व प्राथमिक विद्यालय हनुमानगंज में देखने को मिला। प्राथमिक विद्यालय टेंगनहा की शिक्षिका पूजा सिंह बताती हैं की उनके विद्यालय में नामांकित छात्र संख्या 205 है और जब मोहल्ला क्लास चलाने के लिए वह गांव की तरफ जाती है तो गांव के करीब 40 से 50 बच्चे एक साथ पढ़ने के लिए बैठ जाते हैं तो उसी मोहल्ले में क्लास लगा दिया जाता है और इसकी सफलता भी मिल रही है। जो बच्चे पढ़ाई में थोड़ा कमजोर हो गए थे उन्हें पुनः प्रैक्टिस करने से का अच्छा मौका मिल रहा है।

अच्छे काम को रोकने का प्रयास करते है विरोधी दलः अजय मिश्रा

दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके इसके लिए दिये गये लक्ष्य को पूरा करना है

अयोध्या। सिचाई विभाग के गेस्ट हाउस में जनसभा के दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने कहा कि ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को 6 साल तक लगातार केन्द्र सरकार द्वारा देश तथा विदेश में प्रशिक्षण दिलाया गया। कोच उपलब्ध कराया गया। इसका परिणाम रहा कि पदक पाने के साथ पदक से चूकने वाले खिलाड़ियों की काफी संख्या रही। उन्होने कहा कि हम पूरी दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके इसके लिए दिये गये लक्ष्य को पूरा करना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राजनैतिक दल सांसद व विधायक बनने के लिए नहीं बनाया था। बल्कि राष्ट्र का गौरव वापस दिलाने के लिए इसका उद्देश्य था। हम सब को समपर्ण भाव के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत व सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धान्त को आत्मसात करना है। उन्होने कहा कि देश के लिए होने वाले हर अच्छे काम को विरोधी दल रोकने का कार्य करते है। इन्होने सारी सीमाएं तोड़ दी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को पूरा करने का कार्य सरकार कर रही है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिसके लिए बलिदान हुए थे। सरकार ने उसे पूरा करके दिखा दिया। आज जम्मू व काश्मीर में सरकारी ही नहीं प्राईवेट इमारतों में भी तिरंगा फहराया जा रहा है। लाल चौक में भी तिरंगा फहराया गया। महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कार्यक्रम का समापन करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में अयोध्या का विकास है। इसके लिए योजनाओं की श्रंखलाएं प्रदान की गयी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व संचालन महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने किया। इससे पहले नये घाट पर केन्द्र गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा का पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने 51 किलो की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में सांसद लल्लू सिंह, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, लखीमपुर खीरी विधायक योगेश वर्मा, महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, अमल गुप्ता, नगर निगम की नेता दल अशोका द्विवेदी, उपसभापति बृजेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, क्षेत्रीय सह संयोजक नीरज कन्नौजिया, युवा मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशाल सिंह, गन्ना चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह, अभय सिंह, यात्रा संयोजक परमानंद मिश्रा, प्रतीक श्रीवास्तव, शैलेन्दर कोरी, रामकुमार सिंह राजू, राधेश्याम त्यागी, तिलकराम मौर्या, रवि सोनकर, आलोक द्विवेदी, नंद कुमार सिंह, बालकृष्ण वैश्य, दिव्य प्रकाश तिवारी, दिवाकर सिंह, अंकुर सिंह, अमित तिवारी, रवि शर्मा, दिनेश मिश्रा, प्रमोद साहू, आकाशमणि त्रिपाठी, लक्ष्मण वर्मा, प्रमोद साहू, काशीराम रावत मौजूद रहे।

वामपंथी दलों की हुई संयुक्त बैठक

अयोध्या। वामपंथी दलों की संयुक्त बैठक शंकरगढ़ बाजार में संपन्न हुई। बैठक में बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र के हनन, मौलिक अधिकारों के हनन, तानाशाही के जिम्मेदार भाजपा सरकार की आलोचना की गई। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सभी मोर्चों पर असफल सिद्ध हुई है।

वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार केवल वामदलों द्वारा पराजित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकारें जनकल्याण के कार्ययोजना को बर्बाद कर रही है। जिसके फलस्वरूप लोगों का भरोसा सरकार से समाप्त हो गया है। जनता निर्वाचन अवधि का इंतजार कर रही है। आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है। नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को मिले अधिकारों को 144लगाकर समाप्त कर दिया है। वामदलों की बैठक में विधानसभा चुनाव में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करने, मंहगाई के खिलाफ आंदोलन करने तथा वामदलों की एकता पर जोर दिया गया। बैठक में पेट्रोल डीजल रसोई गैस तथा खाद्य सामग्रियों में मंहगाई के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला लिया गया।बैठक में भाकपा के राज्य काउंसिल सदस्य अशोक तिवारी, सूर्यकांत पाण्डेय, रामजी राम यादव, शैलेन्द्र सिंह, राजकपूर ध्भाकपा माले के अतीक अहमद, राम सिंह, रमेश कुमार गौड़, नंदन यादव, संजय कुमार माकपा के सत्यभान सिंह,महाबीर सोएब, अरुण कुमार, जयप्रकाश दूबे, आदि उपस्थित थे।

प्रमुख अधीक्षक , नर्स स्टॉप, डॉक्टर के खिलाफ एस पी से किया शिकायत, मुकदमा लिखाने को लेकर किया मांग

गोण्डा। जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक , डॉक्टर, नर्स स्टॉप पर इलाज में लापरवाही करने का आरोप लगाते हुए पिता ने एस पी से गुहार लगाकर मुकदमा लिखाने की मांग किया है। नगरकोतवाली क्षेत्र के राजा मोहल्ला निवासी गोलू कश्यप पुत्र वीरे कश्यप ने पुलिस अधीक्षक को पार्थना पत्र दिया है जिस में कहा है कि उस की पुत्री माही कश्यप जिस की उम्र 15 की थी,उस की तबियत अचानक खराब हो गई। बीते 17 अगस्त की रात्रि में 8 बजे इलाज हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। उस समय डॉक्टर आर एस गुप्ता, स्टॉप नर्स खुशबू चौधरी तैनात थी। उस समय स्टॉप नर्स के पति विनोद चौधरी भी मौजूद थे। शराब के नशे में थे। उस से इलाज हेतु 5 हजार रुपये की मांग करने लगे। गोलू ने आरोप लगाया कि स्टॉप नर्स के पति उस से पैसे की मांग करने लगें। इस की शिकायत जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक घनश्याम सिंह से किया। इस पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए भगा दिया। जिला अस्पताल में मौजूद डॉक्टर और स्टॉप नर्स से इलाज के लिए कहा तो पैसे की मांग करने लगे। इलाज न करने की वजह से उस की पुत्री की रात्रि 9.30 बजे मौत हो गई। इलाज में लापरवाही की वजह से उस की पुत्री की मौत हो गई। गोलू ने आरोप लगाया कि स्टॉप नर्स के पति और प्रमुख अधीक्षक ने उस को और उस के पत्नी को मारा पीटा है। एस पी को पार्थना पत्र देकर मुकदमा लिखाने की मांग किया है।

कुलपति ने 61 सदस्यीय महिला भ्रमण टीम को किया रवाना

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज ,के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक एवं उनके अंदर व्याप्त हिचक को दूर करने के लिए 61 सदस्यीय महिला भ्रमण टीम को विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सिंह ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर युवाओं की भागीदारी के तरीकों को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय और बहुपक्षीय संस्थानों और प्रक्रियाओं को समृद्ध करने के साथ–साथ औपचारिक संस्थागत् राजनीति में उनके प्रतिनिधित्व और भागीदारी को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के निकटवर्ती ग्राम के ग्रामीण महिला समूहों एवं संगठनो के सदस्यों को एकत्र कर विश्वविद्यालय बस द्वारा जागरूकता एवं भय मुक्त अभियान हेतु भ्रमण दल को भेजा गया । विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर महिलाओं के उत्थान एवं उनको जागरूक किए जाने के लिए विभिन्न प्रकार के क्रायक्रम आयोजित किए जा रहे हैं उसी क्रम में कृषि महाविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ सीताराम मिश्रा, सहायक प्राध्यापक डॉ आलोक कुमार सिंह एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ नमिता जोशी तथा कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ शशि बारगाह के नेतृत्व में महिलाओं के भ्रमण दल को जनपद फैजाबाद के विभिन्न प्रशासनिक कार्यालय जैसे मंडल कारागार, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी कार्यालय,उप जिलाधिकारी कार्यालय , तहसील आदि कार्यालयों का भ्रमण कराकर उनके कार्य प्रणाली से अवगत् कराया गया, जिससे भविष्य में ये महिलाएं जागरूक, भयमुक्त एवं स्वावलंबी बन सके। महिलाओं के भ्रमण कार्यक्रम को सफल बनाने एवं महिलाओं को एकत्र करने में विश्वविद्यालय कर्मी सुधीर कुमार सिंह का विशेष योगदान रहा ।

यूपी में 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपाः टेनी

भाजपा की जनआशीर्वाद यात्रा का अयोध्या में हुआ स्वागत

अयोध्या। केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतने की घोषणा करने के साथ जम्मू काश्मीर में कश्मीरी पण्डितों को पुर्नस्थापित करने की योजना की जानकारी दी। संसद न चलने देने को लेकर वह विपक्षी दलों पर जमकर बरसे। उन्होने कहा कि 2007 के बाद से पूर्ण बहुमत की सरकारें बनी है। अगर हम तीनों सरकार की तुलना करें तो हम सभी से बहुत आगे है। अखिलेश 2012 में अपने पिता की वजह से मुख्यमंत्री बन गये। परन्तु 2017, 2019 में जनता ने उन्हें नकार दिया। भाजपा इस चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

उन्होने कहा कि जम्मू कश्मीर की समस्या जवाहर लाल नेहरु की देन थी। समस्या को हल करने का प्रयास नहीं हुआ। धारा 370 हटाने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में काम किया गया। मेडिकल कालेज, रेलवे लाईन व सड़को का विस्तार किया गया। यहां सुरक्षा दी गयी जिससे लोग अब कश्मीर में जाना चाहते है। कश्मीरी पंडितों के लिए 4000 आवास बनाये गये है। 6000 का निर्माण चल रहा है। वह धीरे धीरे वापस जा रहे है। हम उनका सहयोग कर रहे है। उन्होने कहा कि असम मिजोरम विवाद अंग्रेजों द्वारा 1918 में पैदा किया गया था। अंग्रेजों की नीति के चलते ही यह विवाद हुआ है। गृहमंत्री के साथ दोनो राज्यों के मुख्यमंत्री की बैठक में इसे सुलझाने पर विचार चल रहा है। उन्होने कहा कि सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के साथ हम सबका प्रयास के सिद्धान्त पर चल रहे है। सभी के प्रयासों से हम राष्ट्र विकास के पथ पर गतिशील करना चाहते है। आतंकवाद व विस्तारवाद को समाप्त करके समन्वय स्थापित करना हमारा लक्ष्य है। राजनैतिक दल नकारात्मक राजनीति कर रहे है। सदन को बाधित कर रहे है ताकि कहीं कोई काम न होने पाये। राज्य सभा में कागज लेकर फाड़ा गया। जब वोट बैंक खिसकने का डर आया तो वह साथ हो गये। उन्होने बताया कि 11 लोकसभा व 7 जिलो से भाजपा की जनआशीर्वाद यात्रा गुजरते हुए अयोध्या पहुंची है। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करना है। इस अवसर पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, मीडिया प्रभारी व अयोध्या के मंडल प्रभारी दिवाकर सिंह मौजूद रहे।

जहरीला पदार्थ खाने से एक युवक की मौत, महिला की हालत गम्भीर

गोण्डा। जिले में अलग अलग क्षेत्र में एक महिला और एक युवक ने जहर खा लिया।हालत खराब होने पर दोनो को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया । इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। रेहरा बाजार थाना क्षेत्र के बलुवा गांव के निवासी केशव राम पुत्र मनी राम ने घर के आपसी विवाद को लेकर जहर खा लिया। हालत खराब होने पर इलाज के लिए जिला अस्पतल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली देहात क्षेत्र के पूरे उदाई गांव के निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मी देवी पत्नी गोरखनाथ ने परिवारिक विवाद को लेकर जहर खा लिया। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

समाजवादी पार्टी का जिला सचिव नमित हुए सुरेश चंद्र यादव,लोगो ने दी बधाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश
भनवापुर। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के सेखुई गोबध ान गांव निवासी सुरेश चंद्र यादव को समाजवादी पार्टी सिद्धार्थनगर का जिला सचिव नामित किए जाने पर सपाईयों में खुशी की लहर दौड़ गयी। बरिष्ठ सपा नेता अजय यादव, अफसर रिजवी,कुलदीप पांण्डेय,मोहम्मद सई,नफीस मलिक,सपा डुमरियागंज के भावी प्रत्याशी रामफेर यादव उर्फ अंशु, ओमप्रकाश यादव,पूर्व जिलाध्यक्ष सपा लालजी यादव,उग्रसेन सिंह,मेंहदी हसन रिजवी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांण्डेय ने बधाई दी है इस दौरान नामित जिला सचिव सुरेश चंद्र यादव ने कहा कि सपा हाईकामान ने जिस उम्मीद के साथ हमे यह जिम्मेदारी दी है मै उनके उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा,और जनता के हित के लिए सदैव कार्य करूंगा।

दसवीं मोहर्रम में शांतिपूर्वक दफन किए गए ताजिए

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थ नगर। इस्लामी साल का पहला महीना यानि हिजरी १४४२ और मुहर्रम की दसवीं सादगी के साथ मनायी गयी।इस्लामी साल मुहर्रम की १४४२ हिजरी ११ अगस्त से प्रारंभ हुई। इस महीने को मुस्लिम समुदाय दुख और मातम के साथ मनाता है।इसी माह में कर्बला के मैदान में यजीद से हक और सच्चाई की लड़ाई लड़ते हुए हजरत इमाम हुसैन शहीद हो गए थे ।उन्हीं की याद में इस त्योहार को मनाया जाता है ।एक परंपरा इसमें ताजिया बनाने की भी है जिसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग ताजिया बनाते हैं और आपसी सौहार्द की अच्छी मिसाल पेश करते हैं। मोहर्रम का दसवां दिन यो में आशूरा के नाम से जाना जाता है। एक परंपरा के अनुसार इसी दिन खिचड़ा बना कर गरीबों में बांटा जाता है। इसी दिन अकीदतमंद छोटी बड़ी ताजिया बनाकर एक निश्चित स्थान पर जिसे कर्बला के नाम से जाना जाता है, ले जाकर दफन कर देते हैं। जनपद में ताजिए को लेकर निकाले जाने वाला सिलसिला बहुत संक्षिप्त और शांति पूर्वक रहा। चंद लोगों ने परंपरा को निभाते हुए बिना शोर–शराबे के ताजिया ले जाकर कर्बला में दफन कर दिया। इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह चाक–चौबंद रहा।

विधायक के साथ एडीएम ने बाढ़ क्षेत्र का किया दौरा

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थ नगर। विधायक श्याम धनी राही के साथ अपर जिलाधिकारी सीताराम गुप्ता, तहसीलदार राम ऋषि रमन ने बाढ़ क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से उनकी समस्याओं से अवगत हुए।समस्याओं का जल्द समाधान करने के लिये मातहत को निर्देश दिए।बाढ़ से प्रभावित गांव टडिया बाजार,रमपुरवा,मारुखघ्र्ग कला,सोनबरसा, कपिया, फत्तेपुर,खजुरडाड,अजगरा, ताल बगहिया, लाऊखाई,गायघाट,बैरवा, रीवां,संगलदीप,अमरिया आदि गांवो का दौरा किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय लेखपाल रामकरन गुप्ता,सचिन्द्र श्रीवास्तव,ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, शशांक शौरभ,आशुतोष,अमित पाण्डेय,रमेश गुप्ता,सुबोध,विकास आदि लेखपाल उपस्थित रहे।

बाढ के बचाव राहत व सुरक्षा हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना

दैनिक बुद्ध का सन्देश
डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज मे बाढ से निपटने

के लिए उपजिलाअधिकारी डुमरियागंज ने बताया कि तहसील डुमरियागंज तगत अंतर्गत बाढ़ नियंत्रण हेतु निम्न उपाय किए गए हैं। तहसील स्तर पर राजस्व, पुलिस, विकास, स्वास्थ विभाग एवं पूर्ति विभाग का एक कंट्रोल रूम बनाया गया है।जहां से लगातार लेखपाल एवं गांव वासियों से संपर्क करते हुए राहत एवं बचाव सुनिश्चित किया जा रहा है ।तहसील डुमरियागंज अंतर्गत 50 से अधिक गांव बाढ़ ग्रस्त हैं जिसके लिए चार मोटर बोट तथा 10 तहसील स्तरीय मा विधायक निधि की नाव तथा गांव स्तर की 209 में लगी हुई है।प्रत्येक गांव में कोटेदारों को निर्देशित कर दिया गया है कि इस माह का दो बार जो फ्री राशन मिलता है सभी को तत्काल उपलब्ध कराएं।प्रत्येक गांव में लेखपाल सचिव तथा तहसील स्तरीय अधिकारी लगाए गए हैं साथ ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया है और निगरानी रखी जा रही है।तहसील डुमरियागंज अंतर्गत तीन बाढ शरणालय बनाए गए हैं। एक ,दूसरा बिशुनपुर हरि कथा तथा तीसरा डुमरियागंज में बनाया गया है।

सोनौली चौकी के दो सिपाही अभय, प्रदीप को दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनौली/नौतनवां। कोविड–19 के दौरान अपनी सेवा देने

वाले सिपाही अभय, प्रदीप को दी गई भावभीनी विदाई भारत–नेपाल सीमा पर स्थित अंतर्राष्ट्रीय महत्व की पुलिस चौकी सोनौली में तैनात दो सिपाहियों का आज फूल माला पहना कर उनका भव्य स्वागत के साथ उन्हें विदा किया गया।शुक्रवार को सोनौली पुलिस चौकी पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष सोनौली बबलू सिंह के नेतृत्व में विदाई समारोह आयोजित की गई।बता दे यह दोनों सिपाही कोविड के दौरान अपनी जान पर खेलकर उस समय लोगों की मदद कर रहे थे। जब कोविड संक्रमण अपने पूरे चरम पर था। परिजन लाश को छोड़कर भाग जाते थे, ऐसी स्थिति में इन दोनों सिपाहियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर कोरोना से ग्रषित लोगों का दाह संस्कार किया। जिसके लिए उन्हें जिले से लेकर नौतनवा विधानसभा स्तर पर सम्मानित किया गया।जांबाज सिपाही अभय कुमार, प्रदीप यादव को सोनौली पुलिस चौकी पर स्थानीय लोगों ने फूल माला पहनाकर उनकी विदाई की गई।इस मौके पर मुख्य रूप से इंस्पेक्टर पुलिस चौकी के समस्त स्टाप सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सात दिन में समस्याएं नहीं दूर हुई तो चेतावनी नहीं, सीधा सस्पेंड करूंगा– डीएम

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोरखपुर। डीएम विजय किरन आनंद ने शहर के वार्ड नंबर एक स्थित भैरोपुर में चौपाल लगाकर वार्ड की समस्याओं को सुनने के साथ ही सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में भी फीडबैक लिया। महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर एक का निरीक्षण कर वहां सड़क, जल निकासी, सफाई आदि व्यवस्था भी जांची। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अफसरों को सात दिन का मौका दिया। साथ ही दो टूक शब्दों में चेताया भी कि तय अवधि के ीतर मामलों का निस्तारण नहीं हुआ तो फिर चेतावनी नहीं दूंगा। सीधा सस्पेंड कर दूंगा।महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर एक के निरीक्षण के दौरान डीएम ने नगर निगम व डूडा के अभियंताओं को सर्वे कर वार्ड की सभी कच्ची गलियों में सड़क का निर्माण कराया जाए।

रंगीन कोविड वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र आमजन को आकर्षित करेगा:गुड्डू खान'

दैनिक बुद्ध का सन्देश
नौतनवां। कल देर शाम निःशुल्क रंगीन कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष 'गुड्डू खान' व विशिष्ट अतिथि व्यापार मंडल अध्यक्ष 'राधेश्याम सिंह' ने कोविड के दोनों डोज लगा चुके लोगो में निःशुल्क प्रमाणपत्र वितरित किया।और उपस्थित छात्रों को कोविड टीकाकरण कराने के लिए जागरूक किया।कार्यक्रम का आगाज 'मुख्य अतिथि' द्वारा कम्प्यूटर पर एक क्लीक कर प्रमाणपत्र का प्रिंट आउट निकालकर किया। इस अवसर पर 'पालिका अध्यक्ष' ने बताया कि ष्इस संस्थान ने बहुत से छात्रों को नया आयाम दिया है और आगे भी सफर जारी है मेरा मानना है कि निःशुल्क मिलने वाला यह रंगीन कोविड वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र आमजन को वैक्सीनेशन के लिए आकर्षित करेगा।इसके लिए हम संस्थान के डायरेक्टर को बधाई देते हैं।'विशिष्ट अतिथि' ने बताया कि ष्यह संस्थान हमेसा सामाजिक कार्य करती चली आ रही हैं इसी कड़ी में किया गया यह कार्य आमजन को काफी राहत देने वाला है। संस्थान के डायरेक्टर 'राजीव शर्मा' ने बताया कि ष्यह निःशुल्क प्रमाणपत्र मुख्य अतिथि की रचनात्मक सोच का परिणाम है जो अनवरत जारी रहेगा तथा कोई भी व्यक्ति हमारे संस्थान पर सम्पर्क कर अपना प्रमाणपत्र निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर शाहनवाज खान, पुर्व न0पा0 अध्यक्ष सीताराम लोहिया,विनोद गुप्ता,राजेश गुप्ता,मनोज अग्रवाल, साक्षी शर्मा, रानी दूबे, देवांश शर्मा,प्रमोद पाठक,राजा सिंह, खुशबू,निर्मला देवी,किरन आदि लोगो के अलावा संस्थान के सभी छात्र व छत्राये उपस्थित रहे।

कांग्रेस द्वारा जनसंपर्क अभियान जारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला/गोरखपुर। गोला तहसील के अंतर्गत न्याय पंचायत

पकड़ी के ग्राम सभा कास्त मिश्रौली में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा चौपाल लगाया गया तथा ग्राम वासियों व किसानों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत कराया गया। इस इस कार्यक्रम के दौरान सचिव प्रमोद कुमार गुप्ता व न्याय पंचायत अध्यक्ष संगम शर्मा ने लोगो से आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति तय की तथा लोगों से कांग्रेस को भारी बहुमत से सरकार बनाने के लिए आह्वान किया।इस कार्यक्रम के दौरान कमक्षाप्रसाद शर्मा, मुरलीधर शर्मा , सूबेदार मिश्र, विंध्याचल मिश्र, रामदरश शर्मा ,रामशेष शर्मा,राम अवध गोंड व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मनाई गई 77 वीं जयंती

दैनिक बुद्ध का सन्देश
हाटा कुशीनगर। कांग्रेसियों ने विधानसभा हाटा क्षेत्रान्तर्गत विकास खण्ड सुकरौली के न्याय पंचायत बढ़या बुजुर्ग में महा–जनसंपर्क अभियान के दूसरे दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की 77 वीं जयंती मनाई कार्यक्रम में उपस्थित रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव अमरेंद्र प्रताप मल्ल ने सर्वप्रथम संचार क्रांति के जनक देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की प्रतिमा का माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी व जिला सचिव संतोष कुमार कन्नौजिया ने स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप आध ुनिक सोच और नए भारत के निर्माण के लिए कटिबद्ध थे आप भारत के सबसे कम उम्र वाले प्रधानमंत्री होते हुए भी विषम परिस्थितियों में देश को आगे ले जाने का भरपूर प्रयास किया, देश में नई संचार क्रांति लाएं, देश के अंदर युवा सोच को और युवा राजनीति को आपने बढ़ावा दिया कार्यक्रम के दौरान असंगठित कामगार कांग्रेस कमेटी पूर्वी जोन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुबास जायसवाल ,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुकरौली के अध्यक्ष संतोष कुमार जायसवाल, न्याय पंचायत अध्यक्ष रविंद्र पटेल, यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता, यूथ कांग्रेस के सचिव हरीकेश गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव सागर गुप्ता, सुशील कुमार सिंह अर्जुन मुकेश गुप्ता सुधाकर कन्नौजिया दिवाकर कन्नौजिया, संगम गुप्ता बृजेश गुप्ता नूर मोहम्मद, गुल मोहम्मद ,रवी राजभर, पवन राजभर, पतरू अंसारी, कमलेश पटेल, अर्जुन पटेल, बंधू यादव, सुरेश गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेसी साथी कार्यक्रम में सम्मिलित रहे जयंती कार्यक्रम के उपरांत पूरे गांव में प्रभात फेरी की गई, मुख्य अतिथि अमरेंद्र कुमार मल्ल के द्वारा गांव के लोगों की जन समस्याओं की जानकारी ली गई देश और प्रदेश में डीजल और पेट्रोल के बढ़ते दामों पर, रसोई गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि पर, बढ़ती हुई बेरोजगारी पर, हर किसानों की समस्याओं पर बैठकर चर्चा की गई आगामी विधानसभा चुनाव 2022के लिए लोगों को जागरूक करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष संतोष कुमार जायसवाल ने बढ़ती महंगाई बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को रोकने के लिए कांग्रेस के प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की और कार्यक्रम में सम्मिलित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए रात्रि सहभोज के लिए सभी को आमंत्रित किया

बंशी चन्द इण्टरमिडिएट कालेज चिलवां में भाजपा की बूथ सत्यापन बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला/गोरखपुर।गोला क्षेत्र के बंशी चन्द इण्टरमिडिएट कालेज चिलवां में भारतीय जनता पार्टी की बुथ सत्यापन कार्य के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा

गोपालपुर मण्डल अध्यक्ष संतोष तिवारी, मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश महामंत्री अनुप गुप्ता, वरिष्ठ अतिथि जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह और मंच संचालन शत्रुघ्न कशौधन ने किया। बूथ की मजबूती ही विजय सुनिश्चित करती है पार्टी ने पुरे प्रदेश स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सहेज कर बुथ समितियों को दुरुस्त करने का ब्यापक अभियान चलाया है।

जिले से लेकर प्रदेश अस्तर के नेता शक्ति केंद्रों के बुथ सत्यापन अधिकारी बनाए गये हैं भी बुथो पर जा कर 21 बूथ कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जाएगी। जो पार्टी को जिताने में मुख्य भूमिका निभाएंगे, बुथ समिति में सभी वर्गों आ प्रतिनिधित्व होगा। इसमें महिलाओं की भी सहभागिता होगी। उक्त बातें मुख्य अतिथि प्रदेश महा मंत्री अनुप गुप्ता ने कही। इसके पहले प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष स्मिता चन्द द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। यहां पर विध ान सभा प्रभारी विनय कुमार राय, पुर्व मंत्री राजेश त्रिपाठी, जिला मंत्री सबल सिंह पालीवाल, माया शंकर शुक्ल ,रणविजय चन्द,नित्यानंद मिश्रा, ,राजाराम दुबे,रतन प्रकाश दूबे, सहित दो सौ से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

सर्प दंश से तेईस बर्षीय महिला की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश , गोला/गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम बाढ़ा गांव में गुरुवार की रात में जहरीला साप के काटने से 23 बर्षीय महिला प्रियंका की हालत बिगड़ने लगी तो ।परिजन इलाज के लिए डॉक्टर के पास पहुचे ।लेकिन रास्ते मे ही दम तोड़ दिया। ग्राम बाढ़ा निवासी गौरव पांडेय की।पत्नी प्रियंका रात में खाना खा कर चारपाई पर सोई थी कि अचानक उसे जहरीला सर्प काट लिया ।प्रियंका साँप काटने की बात परिजनों को बतायी।परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुचे। लेकिन प्रियंका रास्ते मे ही दम तोड़ दिया था ।मृतका के पास एक बर्ष का बच्चा भी है।सूचना पर मायके वाले भी पहुचे बाढ़ा पहुचे। गोला सरयू नदी पर अंत्येष्ठीय कर दी गयी है।

सम्पादकीय

यह चिंता तालिबान से दोस्ती का हाथ बढ़ाने वाले चीन व रूस की भी है क्योंकि उनके कुछ राज्यों में मुस्लिम चरमपंथी यु) छेड़े हुए हैं, जिन्हें तालिबान का साथ मिलने से उनकी चुनौती भयावह हो सकती है। ऐसी चिंता भारत की कश्मीर को लेकर भी है, जहां पाकिस्तान की ...

आतंक की वापसी

अमेरिका व नाटो सेनाओं की वापसी के कुछ ही दिनों बाद काबुल में निर्वाचित सरकार का पतन और तालिबान का कब्जा पूरी दुनिया को स्तब्ध करने वाला है। अफगानिस्तान में यह मानवीय संकट कितना भयावह है, काबुल हवाई अड्डे पर लोगों की देश से बाहर निकलने वाली भीड़ की बेताबी से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है। रक्तरंजित अतीत वाले तालिबान के भय से लोग अमेरिकी सैन्य जहाजों के पहियों पर लटक कर भाग जाने को बेहतर समझ रहे हैं, कुछ की आसमान से गिरकर मौत भी हो चुकी है। पूरा अफगानिस्तान असुरक्षा से भयाक्रांत है और जिनके पास बाहर निकलने के लिये कोई साध न नहीं हैं वे घरों में कैद हो गये हैं। लूटपाट और हिंसा की खबरें आ रही हैं। खासकर कामकाजी महिलाएं घरों में कैद हो गई हैं और स्कूल–कालेज बंद हो चुके हैं। दशकों से विश्व की महाशक्तियों की शतरंजी चालों का केंद्र बने अफगानिस्तान में रक्तपात का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी पर आरोप लग रहे हैं कि वे अपनी जनता को संकट में छोड़कर विदेश भाग गये हैं। लेकिन दुनिया को वह दौर याद होगा जब वर्ष 1996 में सत्ता पर काबिज होते वक्त तालिबान ने पूर्व राष्ट्रपति नबीबुल्लाह को संयुक्त राष्ट्र परिसर में शरण लेने के प्रयास के वक्त बाहर खींचकर क्रूरता से मार दिया था। तालिबान के रक्तपात व हिंसा के इतिहास को देखते हुए लोगों में इतना भय है कि वे भागने के तमाम विकल्पों पर किस्मत आजमा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र भी पड़ोसी राष्ट्रों से शरणार्थियों के लिये सीमा खुली रखने की अपील कर रहा है, लेकिन हकीकत बेहद जटिल बनी हुई है। इस्लामिक कानूनों की कठोर व्याख्या करने वाले तालिबान के आने वाले शासन को लेकर अविश्वास व भय का वातावरण बना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पिछले दो दशक में अफगान महिलाओं ने लैंगिक समानता, शिक्षा व कार्य के जो अधिकार हासिल किये थे, वे एक झटके में समाप्त हो जाएंगे। हालांकि, तालिबान वैश्विक जनमत पाने के लिये महिलाओं के अधिकारों व शिक्षा पाने के हक की वकालत कर रहा है, लेकिन उनके अतीत को देखकर विश्वास नहीं होता। इस्लामिक कानूनों की कठोर व्याख्या करने वाले तालिबान से उदार रवैये की उम्मीद कम ही है। यदि अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ता है तो ही बेहतर हालात की उम्मीद की जा सकती है। फिलहाल दुनिया अफगानिस्तान के कट्टरपंथियों के हाथ में चले जाने से स्तब्ध है। खासकर भारत जैसे देश तो अधिक व्यथित हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के संवध न में लगे थे। एक उदारवादी लोकतांत्रिक ताकत के रूप में भारत ने अफगानिस्तान में शिक्षा, सिंचाई, बिजली के वैकल्पिक साधनों तथा लोकतांत्रिक प्रतीकों को स्थापित करने के लिये जो अरबों डॉलर खर्च किये थे, उसके बट्टेखाते में जाने की आशंका बलवती हुई है। ऐसा करके भारत ने आम अफगानियों का तो दिल जीता, लेकिन पाकपरस्त तालिबान से कोई उम्मीद बेमानी है। अफगानिस्तान के विकास में लगी दुनिया की प्रतिभाएं जिस तरह से पलायन कर रही हैं, उन्हें रोकने की कोशिश तो तालिबान सभ्यता में नहीं है। भारत ही नहीं दुनिया के तमाम मुल्कों के वे लोग काबुल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं जो अफगानिस्तान के विकास कार्यक्रमों में जुटे थे। भारत को याद है कि कंधार विमान अपहरण कांड के अलावा भारतीय दूतावास पर गाहे–बगाहे होने वाले हमलों में तालिबान की कैसी भूमिका रही है। भारत जैसे शांतिप्रिय देशों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि अफगानिस्तान आतंक की नई पाठशाला बनता है तो दुनिया के लोकतांत्रिक देशों को आतंक की नई लहर का सामना करना पड़ सकता है।

बारिश में तेल के आंसू की कसक

सौरभ जैन

खाद्य तेल के दामों में हुई बेतहाशा वृद्धि के दौर में मिडल क्लास तो पकौड़े खाने की कल्पना भी नहीं कर सकता। इन्हें डर है कि पकौड़े की खुशबू सूंघ कहीं आयकर वाले आ गए तो इनकी श्क्लास्च्य ही चेंज हो जाएगी। मिडल क्लास पकौड़े तलने मात्र की घटना पर अपर क्लास में पदोन्नत होने के ख्याल से सहम जाते हैं। वैसे बारिश में अक्सर लोग कार से सैर पर निकल जाया करते है। अब पेट्रोल–डीजल की कीमतों ने बच्चों के साथ बड़ों को भी कागज की नाव चलाने पर मजबूर कर दिया है। अब तक तो बजट ही आम आदमी के मजे लेता था, किंतु अब से बारिश भी यह काम करने लगी है। यहां आम आदमी का अस्पतालों में पहले ही इतना तेल निकल चुका है कि अब उसके पास तेल खरीदने के लिए और पैसे नहीं बचे हैं। प्रेम साहब के एवर–ग्रीन डायलॉग श्नंगा नहायेगा क्या, निचोड़ेगा क्याच्य के स्थान पर अब श्भूखा खरीदेगा क्या, खायेगा क्याच्य हो गया है। पेट्रोल का शतक और खाद्य तेल का दोहरा शतक आम आदमी की बची–खुची जमापूंजी साफ करने पर तुले हैं। क्रिकेट मैदान पर शतक लगाने के बाद बल्लेबाज अभिवादन भी करता है, मगर यहां तो एक ऐसा मैच चल रहा है, जिसमें शतक की जिम्मेदारी लेने वाला कोई खिलाड़ी ही नहीं है। अपने शहर में हो रही बारिश का वे फेसबुक लाइव कर रहे हैं, क्योंकि डेटा सस्ता है। वे पकौड़े की फोटो नहीं डाल पा रहे हैं, क्योंकि तेल महंगा है। सस्ते डेटा का इससे बेहतर उपयोग और क्या हो सकता है? यदि दाल–मखनी की तस्वीर डाउनलोड करने से पेट भरता हो तो भलाई इसी में है। वैसे जब मोर को दाना चुगाने वाले वीडियो से मन भर सकता है, तो खाने के वीडियो को देखने से पेट क्यों नहीं भर सकता? इस महंगाई से बेहाल आम आदमी को देख यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि आखिर सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए क्या कर रही है? अजी, इस महंगाई से सरकार उसी तरह से लड़ रही है जिस तरह से अब तक कोरोना से लड़ती आई है। कोरोना और महंगाई में एक समानता यह है कि दोनों ही हमें दिखाई नहीं देते। हालांकि, पहले महंगाई दिख जाया करती थी, लेकिन अब महंगाई होती तो है मगर दिखाई नहीं देती, यही पिछले सात वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बाजार में अब किसी वस्तु की कीमत पहले से अधिक हो तो यह मान लिया जाना चाहिए कि वह शुद्ध होती जा रही है। जो वस्तु सबसे कम दाम में बिक रही है, वह अपनी अशुद्ध अवस्था से बाजार को दूषित कर रही है। बाजार में उत्पादों की शुद्धता के लिए महंगाई बहुत जरूरी है। हमें यह भी समझना होगा कि महंगाई बढ़ नहीं रही है, बल्कि हम खुद को महंगाई के साथ एडजस्ट करते जा रहे हैं।

सभी समुदायों के हितों की पूर्ति जरूरी

रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी की रिपोर्टों के आधार पर मुस्लिम धर्मावलंबी दलितों और आदिवासियों की दयनीय स्थिति स्पष्ट है। इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के मुस्लिमों के साथ–साथ दलित वर्ग और आदिवासी वर्ग के मुस्लिम समुदायों की गणना तर्क एवं न्यायसंगत जान पड़ती है। अब तक आरक्षण का लाभ सभी धर्मों के पात्र समुदायों को उचित रूप से मिल रहा है या नहीं, इसकी समीक्षा के लिए भी सामाजिक...

फैयाज अहमद फैजी

16वीं राष्ट्रीय जनगणना का व्यापक कार्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इसके साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों की गिनती की लंबे समय से चली आ रही मांग फिर जोर पकडने लगी है। अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाले देश भर में फैले विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विगत 25 जुलाई को आंध्र प्रदेश भवन, दिल्ली में एक सम्मेलन आयोजित कर सोशल रेवोलुशन अलायंस नामक एक संयुक्त संगठन गठित कर राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को मजबूती प्रदान की है। ज्ञात रहे कि 1931 की जनगणना के बाद से अब तक अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों की गिनती नहीं हो सकी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने वादा करने के बावजूद 2011 में हुई 15वीं राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित जातिगत गणना के आंकड़े एकत्र नहीं किए। सितंबर 2018 में, तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा की थी कि 2021 में होने वाली 16वीं राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों के आंकड़े उपलब्ध होंगे। कई राज्य विधानसभाओं ने अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित आंकड़े एकत्र करने के लिए प्रस्ताव पारित किए लेकिन फरवरी, 2020 में केंद्र सरकार ने राज्यों की मांगों के बावजूद जातिगत जनगणना कराने से इनकार कर दिया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 के तहत भारत के राष्ट्रपति सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति की जांच करने के लिए आयोग गठित कर सकते हैं। अनुच्छेद 340 इस बात को स्पष्ट करता है कि कोई भी आयोग सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति की उचित पड़ताल के बाद ही सिफारिशें कर सकता है। ऐसी स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातिगत आंकड़े एकत्र करना नितांत आवश्यक हो जाता है ताकि शिक्षा, रोजगार और राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित सभी पात्र समुदायों को आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इस पूरी बहस में हिन्दू धर्म के अतिरिक्त अन्य धर्मों की सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित जातियों की (जिन्हें भी अन्य पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित किया गया है) गणना की मांग छूटती हुई प्रतीत हो रही है या उतनी तीव्रता से मुद्दा नहीं उठाया जा रहा है। जबकि 1955 में प्रस्तुत काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट पहला उदाहरण थी, जिसमें मुसलमानों और अन्य धर्मों के बीच कुछ जातियोंध समुदायों को भी पिछड़ा घोषित किया गया। लेकिन इस रिपोर्ट को केंद्र सरकार ने यह कह कर खारिज कर दिया था कि पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए आर्थिक मानदंड की जगह श्जात्चि का प्रयोग किया गया है। मण्डल आयोग ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया कि जातियां या जातियों जैसी संरचना केवल हिन्दू समाज तक ही सीमित नहीं थी, अपितु यह गैर–हिन्दू समूहों, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच भी पायी जाती है। प्रसिद्ध इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ केस में, 9 जजों की बेंच ने पिछड़ेपन के निर्धारक के रूप में आर्थिक मानदंड को खारिज कर दिया। न्यायालय ने जाति की अवधारणा को यह कहते हुए बरकरार रखा कि भारत में जाति एक सामाजिक वर्ग हो सकती है और प्रायरू होती है। गैर–हिन्दुओं में पिछड़े वर्गों के सवाल पर, न्यायालय ने कहा कि उनकी पहचान उनके पारंपरिक व्यवसायों के आधार पर की जानी चाहिए।

एक अजीब विडम्बना है कि मण्डल आयोग द्वारा मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियों को शामिल कर लेने के बाद भी साधन संपन्न एलिट मुस्लिमों द्वारा मुस्लिम आरक्षण का असंवैधानिक और अनैतिक राग छेड़ा गया (ज्ञात रहे कि लगभग 90 फीसदी मुसलमान ओबीसी और एसटी आरक्षण के परिधि में आ चुके थे)। पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को यह कभी बताने की चेष्टा नहीं की गई कि मंडल आयोग के अनुसार वो भी हिन्दू समाज के पिछड़े वर्ग की तरह कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण के पात्र हो गये हैं।

रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी की रिपोर्टों के आधार पर मुस्लिम धर्मावलंबी दलितों और आदिवासियों की दयनीय स्थिति स्पष्ट है। इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के मुस्लिमों के साथ–साथ दलित वर्ग और आदिवासी वर्ग के मुस्लिम समुदायों की गणना तर्क एवं न्यायसंगत जान पड़ती है। अब तक आरक्षण का लाभ सभी धर्मों के पात्र समुदायों को उचित रूप से मिल रहा है या नहीं, इसकी समीक्षा के लिए भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक जातिगत आंकड़े जरूरी हो जातें हैं। सामाजिक न्याय की परिकल्पना को पूर्णरूपेण चरितार्थ करने के लिए जातिगत जनगणना को अब और अधिक टाला नहीं जा सकता।

यह करना अभी भी संभव है। विगत के इस विध्वंस से सबक लेते हुए कि अमीर देशों में अपनाई गई औद्योगिकीकृत–कृषि और वैश्विक मुक्त मंडी बनाने की नीतियों के नतीजों ने किस कदर वहां का कृषि परिदृश्य बदल डाला है और बहुत बड़ा कृषि संत्रास पैदा कर दिया है। हमें आर्थिक नीतियों का पुनर्निधारण करने में आर्थिक रूप से व्यवहार्य, मुनाफा प्रदत्त और पर्यावरण मित्र टिकाऊ...

असमानता दूर करना हो सुधारों का लक्ष्य

देविंदर शर्मा

ऐसे वक्त पर जब वर्ष 1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों को लाने की 30वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है तो काफी महिमामंडन के साथ अपनी पीठ थपथपा कर उसे याद किया जा रहा है। ठीक इसी उक्त सुधारों के मुख्य पुरोधा मनमोहन सिंह का वक्तव्य आया हैदृ श्यह समय खुशियां मनाने और वाहवाही करने का नहीं है बल्कि आत्मनिरीक्षण और मनन करने का है। आगे की राह 1991 के मुकाबले और ज्यादा कठिन होने वाली है।च

यह बयान ऐसे समय पर आया है जब मौसम बदलावों पर आई एक वैश्विक रिपोर्टदृ इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज–के छठवें आकलन की पहली कड़ी में मौजूदा पर्यावरणीय हालातों को मनुष्यता के लिए श्कोड रेड्य श्रेणी वाला यानी खतरनाक बताया है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुट्रस ने भी बिना लाग–लपेट के कहा हैदृ श्सबूत अकाट्य हैं, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन हमारे ग्रह को जकड़ चुका है और करोड़ों लोगों की जिंदगी खतरे में है।च जिस महत्वपूर्ण अवयव की यह रिपोर्टें सामने लाने में विफल रही हैं, वह यह कि नव–उदारवादी आर्थिक सुधारों ने, जिसके अंतर्गत सकल घरेलू उत्पादकता (जीडीपी) को विकास का पैमाना माना जाता है, पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि कर दी। वरना इसका क्या जवाब है विश्व के सबसे विकसित माने जाने वाले देश, जिनकी संख्या 1 फीसदी है, वहां से इतना अधिक उत्सर्जन होता है, जितना बाकी की आधी दुनिया कुल मिलाकर करती है। यह चेतावनी इस बात को सुनिश्चित करवाने को लेकर आई है कि पृथ्वी का औसत तापमान अगले 20 सालों में 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की ऊपरी सीमा से ज्यादा न बढने पाए। लेकिन यह जानने के बाद कि पहले ही तापमान में 1.1 डिग्री सेंटीग्रेड की बढ़ोतरी हो चुकी है, मुझे नहीं मालूम कि बाकी बचे 0.4 डिग्री सेंटीग्रेड जुडने में कितने साल लगेंगे। खैर, जिस कदर पृथ्वी के तापमान में वृद्धि हुई है और जिसके परिणामस्वरूप औद्योगिक विकास–काल के दौरान मौसम एकदम अप्रत्याशित बन गया है, यह दर्शाता है कि आर्थिक विकास के लिए जो रूपरेखा अपनाई गई है, उसमें कुछ जन्मजात खामियां हैं। विश्व आर्थिक मंच पर अंतर्राष्ट्रीय भलाई संस्था श्ऑक्सफैम्च द्वारा प्रस्तुत अध्ययन ने साफ बताया है कि कैसे अमीर और अधिक अमीर और गरीब और ज्यादा गरीब होते जा रहे हैंदृ यह सुधारों पर तुरंत पुनर्विचार करने की जरूरत का प्रामाणिक सूचकांक है। यदि भारत में चोटी के 1 फीसदी अमीरों के पास देश की 73 फीसदी आबादी के पास कुल पैसे से चार गुणा ज्यादा दौलत है, ऐसे में आर्थिक असमानता में इतने बड़े अंतर के लिए जिस उदारवाद की भूमिका है, उसका महिमामंडन करना कहां तक उचित है। अमेजॉन के मालिक जेफ्फ बैजोस, जिन्होंने हाल ही में अंतरिक्ष यात्रा की है, उनकी एक दिन की कमाई 8 बिलियन डॉलर है, लेकिन कर (टैक्स) फिर भी एक स्टेनोग्राफर से कम चुकाते हैं, यह बताता है कि किस तरह आर्थिक सुधारों के वैश्विक मॉडल ने अत्यंत अमीरों को और दौलतवान बनाने में मदद की है। भारत में भी, अन्य मुल्कों की तरह, आसान पैसा और सरकार द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक प्रोत्साहन अतंतरू स्टॉक मार्किट में चले जाते हैं। कोई हैरानी नहीं कि स्टॉक मार्किट ऐसे समय में फल–फूल रही हैं जब दुनियाभर की आर्थिकी हांफ रही है।

आय में असमानता का मतलब है खराब अर्थव्यवस्था नीति, चंद लोगों के हाथ में अकूत धन–दौलत इकत्रा होना साफ दर्शाता है कि विकास के लिए अपनाए नुस्खे में अनेकानेक कमियां जड़ से हैं। जैसा कि श्पब्लिक सिटीजन्च्य नामक एडवोकेसी समूह हमें बताता है कि अमेरिका की चंदेक बड़ी तकनीकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के पास वर्ष 2021 में कुल मिलाकर 651 बिलियन डॉलर की दौलत है। इतने धन से न सिर्फ पूरी दुनिया से भूख और मलेरिया से निजात, पृथ्वी के तमाम इंसानों को कोविड वैक्सीन और अमेरिका के सभी घर–विहीन लोगों के सिर पर छत मुहैया करवाई जा सकती है, बल्कि इसके बाद भी इन धन–कुबेरों के पास जी–खोलकर खर्चने लायक धन बाकी बचेगा। भारत में भी, चोटी के 1 प्रतिशत धनाढ्यों के पास जो दौलत है, उसका महज छोटा–सा अंश देश से गरीबी और भूख का इतिहास मिटाने को काफी है। अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने कुछ समय पूर्व कहा था कि केवल 48000 करोड़ रुपयों से भारत में एक साल के भीतर गरीबी हटाई जा सकती है। अगर यह सच है और यह मानकर कि भूख अत्यंत दारूणता का चिन्ह है, फिर क्या वजह है कि 107 देशों की सूची में भारत शोचनीय 94वें पायदान पर है। वह भी ऐसे समय पर जब देश में पिछले कई सालों से खाद्यान्न भंडार लगातार फटने की कगार तक ठुंसे पड़े हैं। इस कठिनाई में आगे जुड़ जाती है बेरोजगारी, निरंतर चलता कृषि संत्रास, जिसकी गूंज इन दिनों दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन में सुनाई दे रही है। यह वक्त आर्थिक नीतियों में गहरे सुधार करने का नहीं है बल्कि ऐसे मानव–भलाई कार्यक्रम में बदलाव लाने का है, जिससे जनता की बढ़ती जरूरतें जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरणीय सुरक्षा और आर्थिक असमानता में कमी लाने को उपाय हो सके। एक स्वस्थ एवं गरिमामय जिंदगी कई अवयवों पर निर्भर होती है, इसमें स्वस्थ एवं वातावरण भी एक हैं। पर्यावरणीय कारगुजारी सूचकांक–2020 (ईपीआई) के मुताबिक 180 देशों में भारत 168वें स्थान पर आता है। यह रिपोर्ट बताती है कि जो देश ऊपरी पायदानों पर हैं, उन्होंने अपनी जनता के स्वास्थ्य, प्राकृतिक स्रोतों की रक्षा और ग्रीन हाउस उत्सर्जन में कमी लाने को सतत प्रयास और प्रतिबद्धता रखी है। ऐसा नहीं कि अमीर मुल्कों ने भी उन पर्यावरणीय और स्वास्थ्य ध्येयों को पूरी तरह पा लिया हो, जितना करने की जरूरत है। गौरतलब है, अध्ययन बताता है कि केवल 90 कंपनियों का संयुक्त प्रदूषण इतना है जो औद्योगिक क्रांति के आगाज से लेकर आज तक हुए का 63 फीसदी है। भारतीय आर्थिक एवं अन्य नीति निर्धारकों के लिए एक टिकाऊ और सबको साथ लेकर चलने की राह बनाने में केवल यही तथ्य काफी है। यही वह अवयव हैं जिन्हें पिछले आर्थिक सुधारों के लिए छाती ठोककर खुद पर मान करने वालों को ध्यान में रखना चाहिए था, परंतु सुधार की अध ाकचरी समझ, जिसमें सिर्फ निजीकरण करने का उत्साह थादृ इसने हमारे देश को भी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष नीति के तहत गलत वैश्विक आर्थिक दुष्चक्र में फंसा डाला। इसकी बजाय, नीतियां ऐसी बनतीं, जिनसे समाज के मध्य और निम्न वर्ग में आते लोगों की वास्तविक आमदनी में इजाफा होता, जिससे आगे ग्रामीण क्षेत्र में विशाल उपभोक्ता मांग पैदा होती और इस प्रक्रिया से ग्रामीण अंचल की आर्थिकी को पुनर्जीवन मिलता। भारत के नीति–निर्माताओं ने अमेरिका द्वारा अपनाई श्वाशिंगटन कन्सेन्सेसच्य नामक योजना से परे न देखकर ऐतिहासिक चूक की है, जबकि अपने देश के हालातों के मुताबिक आर्थिक सुधारों का ऐसा देशी मॉडल करते, जिसमें विकास की मंजिल पाने में कृषि क्षेत्र को दूसरा सबसे अहम इंजन माना जाता। कृषि से तौबा करवाने वाली नीतियां बनाने की बजाय देश में सबसे ज्यादा रोजगार मुहैया करवाने वाले इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर इसे आर्थिक विकास का पॉवर हाउस बनाने पर जोर दिया जाता।

यह करना अभी भी संभव है। विगत के इस विध्वंस से सबक लेते हुए कि अमीर देशों में अपनाई गई औद्योगिकीकृत–कृषि और वैश्विक मुक्त मंडी बनाने की नीतियों के नतीजों ने किस कदर वहां का कृषि परिदृश्य बदल डाला है और बहुत बड़ा कृषि संत्रास पैदा कर दिया है। हमें आर्थिक नीतियों का पुनर्निधारण करने में आर्थिक रूप से व्यवहार्य, मुनाफा प्रदत्त और पर्यावरण मित्र टिकाऊ खाद्य कृषि तंत्र बनाना होगा ताकि जहां किसान को वादा–मूल्य के उपाय से एक सुनिश्चित आय मिले, वहीं उपभोक्ता को सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन प्राप्त हो।

भाजपा सरकार में मारा जा रहा कमजोर वर्गो का हक

देवरिया,20 अगस्त। सपा के बांस देवरिया स्थित जिला कार्यालय पर गुरुवार को एससी, एसटी आयोग के पूर्व सदस्य एवं सपा के प्रदेश सचिव संजय विद्यार्थी सविता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नाई समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। लोक संस्कृति के सबसे बड़े व्यक्ति भिखारी ठाकुर हमारे समाज में पैदा हुए, जिन्हें दुनिया में भोजपुरी के शेक्सपियर के सम्मान से नवाजा गया। भाजपा सरकार में कमजोर वर्गों का हक मारा जा रहा है। कहा कि राजनीति के क्षेत्र में कर्पूरी ठाकुर समाजवादी आंदोलन से जुड़कर वंचित समाज की आवाज बने और बिहार जैसे सूबे के मुख्यमंत्री बने। भाजपा सरकार में कमजोर वर्गों का हक मारा जा रहा है। ऐसी स्थिति में वंचित समाज के भले के लिए अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश की बागडोर सौंपने की जरूरत है। मैं सविता समाज के साथियों से आग्रह करूंगा कि अपनी शक्ति और सामर्थ्य का प्रयोग करते हुए 2022 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाएं। जिला अध्यक्ष डा. दिलीप यादव ने प्रदेश सचिव का स्वागत करते हुए कहा कि संजय विद्यार्थी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के अति करीबी व्यक्ति हैं। क्रांति रथ से लेकर उनके सामाजिक बदलाव के संघर्ष में उनके साथ हैं। समाजवादी पार्टी शोषित, वंचित समाज के लोगों की वकालत करती है। संचालन जिला महासचिव मुराद अली बेग ने किया। कार्यक्रम में हृदय नारायण जायसवाल, विजय लक्ष्मी गौतम, पीडी तिवारी, राजेश ठाकुर, बेचूलाल चौधरी, मालवीय प्रसाद निर्मल, उमाशंकर यादव, व्यास यादव, अशोक यादव पूर्व चौयरमैन, प्रेमप्रकाश, अजय शर्मा, पारसनाथ यादव, ओंकारनाथ शर्मा , रमेश शर्मा, नित्यानन्द त्रिपाठी, इस्माइल अंसारी, श्याम बहादुर भारती आदि उपस्थित रहे।

छत लगने से पहले ही टूट गई पंचायत भवन की दीवार

देवरिया,20 अगस्त। मनरेगा के तहत गांवों में पंचायत भवनों का निर्माण तो कराया गया है, लेकिन जमकर अनियमितता भी की गई है। प्रशासन इसको लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है। सलेमपुर व भागलपुर विकास खंड में पिछले प्रधानों के कार्यकाल में बने अधिकांश पंचायत भवन जहां अधूरे हैं। कुछ जगहों पर पंचायत भवन की दीवार टूटने लगी हैं। पिछले वर्ष शासन ने पंचायत चुनाव के पूर्व सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण करने का निर्देश दिया। सलेमपुर में 58 तथा भागलपुर में 24 गांवों में पंचायत भवन निर्माण का कार्य शुरू हुआ। पंचायत चुनाव के पहले शुरू हुए कार्यो में कहीं नीव तो कहीं दीवार तक ही कार्य हुआ। बीच में पंचायत चुनाव के चलते पुराने प्रधान रुपये निकाल लिए और कार्य पूरा नहीं किए। इसके बाद नए प्रधानों ने कार्यभार ग्रहण किया तो व्यापक स्तर पर पंचायत अधिकारियों का भी तबादला गैर ब्लाकों में कर दिया गया। अब स्थिति यह है कि आधे अधूरे पंचायत भवन को नए प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी बनवाने का नाम नहीं ले रहे हैं। कई गांवों की स्थिति तो यह है कि पंचायत भवन का छत नहीं लगा और उसकी दीवारें टूटने लगी है। इसको लेकर विकास विभाग के अधिकारी पुराने प्रधानों व ग्राम पंचायत अधिकारियों को नोटिस दे रहे हैं, लेकिन उस नोटिस का उन पर कोई असर नहीं है। सबसे खराब स्थिति सलेमपुर ब्लाक के बालेपुर कला और चौथिया तथा भागलपुर ब्लाक के छित्तुपुर गांव में बने ग्राम पंचायत के पंचायत भवन की है। इन गांवों के पंचायत भवन की दीवार दरकने लगी है। नए प्रधानों का कहना है कि जब तक इसकी कार्यपूर्ति नहीं मिल जाती, तब तक हम लोग इस पर कार्य शुरू नहीं करेंगे। सहायक विकास अधिकारी पंचायत अनिलधर द्विवेदी ने कहा कि सम्बंधित प्रधानों को नोटिस दी गई है। कार्य पूर्ण न कराने पर उनके खिलाफ आरसी जारी की जाएगी।

जिले में 650 ट्रांसफार्मर ओवरलोड, मुश्किल में उपभोक्ता

देवरिया,20 अगस्त। जिले में बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई है। 650 ट्रांसफार्मर ओवरलोड हैं। इससे ट्रांसफार्मर जलने के साथ ही लो–वोल्टेज की समस्या उत्पन्न हो गई है। मोबाइल ट्रांसफार्मर के भरोसे आपूर्ति की जा रही है। अधिकारी जल्द ही बिजली व्यवस्था बेहतर कर देने का दावा कर रहे हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। कहीं जर्जर तार से फाल्ट तो कहीं ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो रही है। इन दिनों शहर के पुरवा विद्युत उपकेंद्र, खुखुंदू विद्युत उपकेंद्र से बिजली व्यवस्था ज्यादा प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में दिन हो या रात अघोषित कटौती हो रही है। इससे उपभोक्ता परेशान हैं।

ब्राह्माण समाज के साथ पहले से बहुजन समाज पार्टी

देवरिया,20 अगस्त। जिले में कोरोना संक्रमण विदाई की ओर है। लगातार तेरह दिन से एक भी कोरोना संक्रमित नहीं आए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि कोरोना संक्रमण अब जिले से समाप्त हो जाएगा। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर सावधान है और लोगों को लगातार कोरोना के प्रति जागरूक कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर काफी उत्साहित है। गुरुवार को आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 2619 की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। 24 घंटे में 2428 लोगों की सैंपलिग की गई। अभी तक कुल 826594 लोगों की सैंपलिग कर जांच की जा चुकी है। जिले में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 20212 है। अभी तक 19994 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना से जिले में अभी तक 218 लोगों की मौतें हुई है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि जिले में कोरोना का संक्रमण नहीं है लेकिन सभी को सतर्क किया जा रहा है कि कोविड प्रोटोकाल का पालन जरूर करें। कोरोना महामारी है सावधानी जरूरी है।

प्रधानाध्यापक समेत 33 अध्यापक मिले गायब, नोटिस

देवरिया। परिषदीय विद्यालय खुल गए हैं, लेकिन गुरुजी विद्यालय जाने से परहेज कर रहे हैं। सलेमपुर, भागलपुर, देसही देवरिया, तरकुलवा, रामपुर कारखाना व बैतालपुर विकास खंड क्षेत्र के विद्यालयों की हुई जांच में प्रधानाध्यापक समेत 33 शिक्षक गायब मिले।

जिनको जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर जवाब देने का निर्देश दिया है। देसही देवरिया के तिवारी टोला प्राथमिक विद्यालय पर तैनात प्रधानाध्यापक अमरजीत कुमार, देवरिया शहर के स्वामी विवेकानंद में तैनात रश्मि तिवारी, सुमन वर्मा, वैदा पासपार में तैनात आदित्य विक्रम सिंह, सलेमपुर के चोरडीहा में तैनात मेनका, कुसुम दुबे, देसही देवरिया के धमऊर में तैनात लक्ष्मी यादव, सलेमपुर के परसिया खाप में तैनात मनीष यादव, रीता यादव, तरकुलवा के पारस खंड में तैनात इमरान खान, बैतालपुर के सकरापार खुर्द में तैनात मुन्नी गुप्ता, देसही के पिपरा मदन गोपाल में तैनात प्रेमलता सिंह, रामपुर कारखाना के खाड़े छापर के राम आधार, सलेमपुर के विराजभार में तैनात नैनतारा देवी, तरकुलवा के मठिया में तैनात चंद्रावती देवी, भरौटा में तैनात अभय कुमार, भरौटा कोट में तैनात प्रवीण कुमार, मठिया में तैनात शमसा देवी, देसही देवरिया के पड़ौली में तैनात राकेश कुमार, प्रेम बाला सिंह, लीलावती देवी अुनपस्थित रहीं। दूसरी तरफ भागलपुर के नरियांव में तैनात सहायक अध्यापक महेंद्र प्रसाद गुप्त, वंश बहादुर सिंह, बैतालपुर के मुंडेरा मल्ल में तैनात शिक्षा मित्र बबिता सिंह, भागलपुर के तेलिया शुक्ल में तैनात सहायक अध्यापक मुकेश यादव, देसही के सोनबरसा में तैनात शिक्षा मित्र धर्मेंद्र कुमार, भागलपुर के नरियांव में तैनात शिक्षा मित्र रीता चौहान, भलुअनी के नरौली संग्राम में तैनात अनिता देवी, सलेमपुर के मधवापुर में तैनात अंजू पांडेय, बैतालपुर के अहलादपुर में तैनात धवन कुमार गिरी, देसही के हेतिमपुर में तैनात सहायक अध्यापक प्रतिभा मिश्रा गायब मिली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने कहा कि नोटिस जारी किया गया है। जवाब मिलने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर जलने से 39 गांवों में ठप है आपूर्ति

देवरिया । बारिश के मौसम में बिजली विभाग के जर्जर संसाधन जवाब देने लगे हैं। हर दिन फाल्ट की समस्या के साथ ही ट्रांसफार्मर के जलने की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। दो दिन के अंदर 39 गांवों में लगे ट्रांसफार्मर जल गए। शहर के भटवलिया बिजली घर में ट्रांसफार्मर रिपेयरिग वर्कशाप है, जहां 10 से 12 ट्रांसफार्मर हर दिन रिपेयर हो पा रहे हैं। रामपुर कारखाना क्षेत्र को पांडेयचक उपकेंद्र से जोड़ने की तैयारी रामपुर कारखाना व उस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पुरवा विद्युत उपकेंद्र से की जाती है। लंबी लाइन व लोकल फाल्ट से बिजली आपूर्ति आए दिन ठप हो रही है। सर्वाधिक दिक्कत रामपुर कारखाना में हो रही है। यहां लो–वोल्टेज की समस्या भी है। इसको देखते हुए बिजली विभाग ने पांडेयचक उपकेंद्र से रामपुर कारखाना व आसपास के गांवों को जोड़ने की तैयारी की है। नई लाइन बिछाने में 32 लाख रुपये खर्च होने की बात कही जा रही है। जिसके चलते बिजली विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। नए उपकेंद्र व ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के लिए प्रस्तावः इन दिनों बिजली विभाग ने जिले में बिजली व्यवस्था बेहतर करने लिए जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव मांगा है। जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की बिजली समस्या को दूर करने के लिए संसाधन का प्रस्ताव तैयार कर बिजली विभाग को देने लगे हैं। जनप्रतिनिधि विद्युत उपकेंद्र, ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि, नए ट्रांसफार्मर लगाने, जर्जर तार बदलने समेत अन्य संसाधनों को बेहतर करने की मांग किए हैं। जनप्रतिनिधियों के आए प्रस्ताव को तैयार कर बिजली विभाग शासन से बजट मुहैया कराने के लिए रिपोर्ट भेजना शुरू कर दिया है। यह भी जानें: जिले में उपभोक्ताओं की कुल संख्या—— 375264 विद्युत उप केंद्रों की संख्या——40 जिले में कुल ट्रांसफार्मरों की संख्या ——17270 जले हुए ट्रांसफार्मरों की संख्या–39 जिले में 650 ट्रांसफार्मर ओवरलोड हैं, उन्हें चिन्हित कर लिया गया है। क्षमता वृद्धि के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजे गए हैं। जनप्रतिनिधि अपने–अपने इलाके में नए उपकरण लगाने के लिए प्रस्ताव भेज रहे हैं। जल्द ही संसाधन बदलने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

अधिकारी टीम भावना के साथ करें आपदा प्रबंधन का कार्यः आरपी शाही

देवरिया। उप्र राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष आरपी शाही ने गुरुवार को स्वास्थ्य सीएमओ कार्यालय परिसर स्थित धनवंतरि सभागार में आपदा प्रबंधन व स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान शाही ने कहा कि अधिकारियों को टीम भावना के साथ आपदा प्रबंधन के कार्यों को करने की जरूरत है।

तैयारियों को हर हाल में पूर्ण रखे। कहा कि आपदा प्रबंधन में जन जागरूकता भी आवश्यक है। इसके लिए एहतियाती उपायों, सजगता व तत्परता बरतें। अधिक से अधिक आपदा के प्रति लोगों को जागरूक करें। प्रभावित लोगों को सुविधाएं देने की कोशिश होनी चाहिए, इसके लिए सभी को संवेदनशील होकर कार्य करना चाहिए। नावों की क्षमता से कम ही व्यक्तियों को बैठाए जाने पर बल दिया। उन्होने कुर्ना नाले में जा रहे गंदे पानी के प्रदूषण मानक की भी जांच कराए जाने को कहा। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने बताया कि अब तक कुल 821259 लोगो का कोविड टेस्ट किया गया है, जिसमें 418422 एंटीजन, आरटीपीसीआर 395620, ट्रूनाट टेस्टिग 7217 सम्मिलित हैं । आरटीपीसीरआर के बीएसएल–2 लैब स्थापित की गयी है, जिससे अब तक 16358 जांच किए जा चुके है। बैठक में कुवर पंकज, सीआरओ अमृत लाल बिन्द, प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज डा. एएम वर्मा, सीएमओ डा. आलोक पांडेय, एसडीएम सदर सौरभ सिंह, रुद्रपुर संजीव उपाध्याय, बरहज संजीव यादव, डा संजय चन्द्र, डा. एस के चौधरी, डा. बीपी सिंह, डा. राजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे। महामारी से बचाव के लिए इंतजाम कर रही सरकार जासं, रुद्रपुर रू आपदा प्रबंधन के प्रदेश उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आरपी शाही ने गुरुवार की शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लिया। कोविड महामारी को देखते हुए बचाव के सभी उपाय करने को निर्देश दिया। सबसे पहले उन्होंने कोविड अस्पताल के आक्सीजन प्लांट और बेड को देखा और कहा कि वैज्ञानिकों के अनुसार तीसरी लहर से सर्वाधिक खतरा बच्चों पर है इसलिए किसी भी खतरे से बचाव के लिए सभी माकूल इंतजाम पहले पूरे कर लिया जाय। वैक्सीनेशन कार्य तेजी से करने को कहा। जिससे डेल्टा वेरियंट का खतरा कम हो जाएगा। कहा कि सीएचसी परिसर की बदहाल सड़क को देखकर नाराजगी जाहिर की और एसडीएम संजीव कुमार उपाध्याय से आरसीसी बनवाने का निर्देश दिया। एसडीएम ने कहा कि जल्द ही पूरे परिसर की व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद की जाएगी। इस दौरान सीएमओ डा. आलोक कुमार पांडेय, चिकित्सा अधीक्षक डा.एसके राव, सबरे आलम, डा.अजय सिंह, डा. अनिल सिंह, डा.सुशील मल्ल, एलबी चौधरी आदि मौजूद रहे।

आधुनिक भारत के निर्माता है शहीद राजीव गांधी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उरुवा बाजार/गोरखपुर। गायत्री विद्या प्रज्ञा पीठ सीनियर

सेकेंड्री स्कूल उरुवा बाजार में देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री भारत रत्न से सम्मानित आधुनिक भारत के निर्माता स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जन्मदिन मनाई गई इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन गणेश शंकर सिंह ने कहा राजीव गांधी जी ने देश की प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण के साथ आधुनिक कंप्यूटर युग का नींव देश में रखी थी। उन्होंने युवाओं को 18 वर्ष में वोट देने के अधिकार के साथ सत्ता का सीधे जनता तक हस्तांतरण करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का गठन किया था। उनके द्वारा निर्मित ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के द्वारा सत्ता की भागीदारी सीधे जनता में अंतिम व्यक्ति तक पहुंची है। उन्होंने ही देश में खेलों के उत्थान के लिए प्रथम राष्ट्रीय खेल नीति का निर्माण किया था। विद्यालय की निदेशिका श्रीमती ममता सिंह जी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव शादाब अहमद वरिष्ठ नेता मारकंडे चन्द ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, शैलेंद्र दुबे, किरन रावत ,हौसला गुप्ता, सुमन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कोविड से सभी को सतर्क रहने की जरुरत : जिलाधिकारी

कोविड जागरूकता पर तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी शुरू

प्रयागराज। कोविड से सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। क्योंकि थोड़ी सी असावधानी से हमारे, आपके और समाज के लिए कोविड फिर खतरा बन सकता है। यह बातें प्रयागराज के जिलाधिकारी संजय खत्री ने गुरूवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर कोविड–19 की जागरूकता, टीकाकरण और मदद के लिए प्रेरित करने को लेकर तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के उपरांत कही। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में माघ मेले से लेकर कोविड–19 के छायाचित्रों को बेहतर तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

हरि श्याम मानव कल्याण शिक्षा एवं शोध संस्थान अंबेडकर बिहार चौफटका एवं श्री गंगा कल्याण सेवा समिति प्रयागराज की ओर से उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में एनसीजेडसीसी के निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा और सनातन एकता मिशन उप्र प्रयागराज के संरक्षक पं देवराज पाठक ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के छायाचित्रों ने एक बार यादों को ताजा कर दिया है। लोग स्वयं और परिवार वालों के साथ सतर्क रहें। क्योंकि कोविड कम हुआ है, पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। इस दौरान डीएम ने वरिष्ठ छायाकार जितेन्द्र प्रकाश, आयोजन समिति के सचिव राजीव मिश्रा, पतंजलि विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या सुष्मिता कानूनगो और इलाहाबाद पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या अमिता मिश्रा सहित अन्य प्रमुख लोगों को सम्मानित किया।

प्रदर्शनी के आयोजन समिति के सचिव राजीव मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ला, क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के अपर सचिव विनय कुमार गिल, डीआईओएस प्रयागराज आर एन विश्वकर्मा, एसडीएम सदर विवेक चतुर्वेदी और सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। समापन 21 अगस्त को अवलोकन पूर्व कमिश्नर आरएस वर्मा, कमिश्नर संजय गोयल, आईजी केपी सिंह और डीआईजी सर्वेश त्रिपाठी करेंगे।

संस्था सचिव ने बताया कि प्रदर्शनी की अध्यक्षता पूर्व अपर आयुक्त कृष्ण चंद्रा और पूर्व अपर आयुक्त जितेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में एनसीआर के अमित मालवीय, शिक्षक कर्मचारी नेता सुनील पांडेय, एपीएस की प्रधानाचार्या अमिता मिश्रा, राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के संरक्षक प्रधानाचार्य डॉ हरिप्रकाश यादव, वरिष्ठ शिक्षक नेता डॉ शैलेश कुमार पांडे, डॉ वंदना सिंह, हाईकोर्ट के एडवोकेट अभिषेक तिवारी, नीरज सिन्हा, पंकज दीक्षित सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

टोक्यो ओलंपिक खिलाड़ी सम्मान समारोह में युवा व युवतियों ने किया प्रतिभाग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में बृहस्पतिवार को खेल के क्षेत्र में भारत देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करने वाले खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

द्वारा 42 करोड़ का पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को देकर सम्मानित किया गया । वही खिलाड़ी सम्मान समारोह में उपस्थित जनपद सोनभद्र के युवक मंगल दल के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष श्री मनोज कुमार दीक्षित व उनकी टीम ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निश्चित तौर पर सराहनीय कार्य किया जा रहा है।युवाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए लगातार खेल कूद प्रतियोगिता व खेल किट का सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे युवा दूना ऊर्जा के साथ रचनात्मक कार्य खेल कूद इत्यादि क्षेत्रों में बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा दूरी भाला फेकने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा समेत तमाम अन्य खिलाड़ियों को सम्मानित कर हमलोग अपने आप को गर्वान्वित महसूस कर रहे हैं। वही सदर ब्लाक के सचिव श्री जितेंद्र कुमार मौर्या ने बताया कि युवक मंगल दल टीम में युवाओं का आधिकारिक नेतृत्व करने के लिए हमारे जनपद सोनभद्र से बी आई श्री प्रदीप कुमार सिंह व एस आई शाहिद यादव का युवा आदर्श के बारे में लगातार मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा। इस मौके निधि, श्वेता, कामना, रामराज सिंह, आदर्श मौर्या राकेश चौबे, अश्वनी सिंह, शक्ति सिंह, अफरोज अहमद, सुरेश गुप्ता, उमेश यादव, राजकुमार, नीरज सिंह, जितेंद्र मौर्य, प्रभाकर मिश्रा, लालबहादुर, विकास कुमार, हाफिजुद्दीन, सचिन, सुचित,विजेन्द्रकुमार,लल्लू, समीर,रमेश, बबलू इत्यादि लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत मेगा इवेंट रक्षा उत्सव कार्यक्रम किया गया आयोजित

प्रयागराज। सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित। उ0प्र0 शासन द्वारा मिशन शक्ति अभियान का तीसरा चरण माह–अगस्त 2021से दिसम्बर 2021 तक संचालित किया जा रहा है। मिशन शक्ति अभियान के तहत आज कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में अध्यक्ष, जिला पंचायत कल्पना सोनकर की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी सुजीत कुमार व मुख्य विकास अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी की उपस्थिति में मेगा इवेंट रक्षा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष, जिला पंचायत ने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई है। मिशन शक्ति अभियान महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए संचालित की गयी है। जनपद में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत अब तक 36 बच्चों को लाभान्वित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। सरकार द्वारा महिलाओं को केन्द्र में रखकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गयी है। उन्होनें कहा कि महिला परक योजनाओं की नियमित समीक्षा कर क्रियान्वित किया जा रहा है। इस योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार कर अधिकाधिक पात्र महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होने उपस्थित महिलाओं से अपेक्षा की कि वे अपने आस–पास की महिलाओं को जागरूक करें, जिससे शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाएं उठा सकें। उन्होनें कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जो ऋण दिया जाता है उसका वे सदुपयोग करती है। प्रधानमंत्री आवास योजना व मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाएं महिला लाभार्थी के नाम से ही आवटिंत किया जाता है। इस अवसर पर अध्यक्ष, जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी द्वारा सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दिल्ली में अश्वक्सीजन की कमी से मौतों की जांच नहीं, एलजी ने कमेटी बनाने की मांग वाली फाइल फिर लौटाई

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राजधानी में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौतों के मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की मंजूरी के लिए दिल्ली सरकार की ओर से भेजी गई फाइल को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शुक्रवार को नामंजूर कर दिया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राजधानी में ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया है, जबकि बिना जांच के ये बता पाना संभव नहीं है। सिसोदिया ने शुक्रवार को ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता है कि दिल्ली में अप्रैल और मई में कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन संकट का सामना करना पड़ा था और ना ही इस बात से इनकार किया जा सकता कि राजधानी में लोगों की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों की जांच को लेकर एक कमेटी के गठन के लिए एक फाइल फिर से भेजी थी। उपराज्यपाल कह रहे हैं कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ केंद्र राज्यों से पूछ रहा है कि ऑक्सीजन की कमी से कितने लोगों की मौत हुई और दूसरी तरफ, श्श्आप हमें ऐसी मौतों की जांच नहीं करने दे रहे हैं। सिसोदिया ने सवाल किया, श्श्ऐसे में राज्य कैसे सूचना दे पाएंगे?

सिसोदिया बोले– केंद्र चाहता है राज्य कहें कि ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई

उन्होंने कहा कि यानी केंद्र चाहता है कि हम लिखित में दें कि ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई है। यह बहुत बड़ा झूठ होगा। सिसोदिया ने दावा किया कि अप्रैल और मई में मेडिकल ऑक्सीजन के कुप्रबंधन के लिए केंद्र जिम्मेदार था और यह जानबूझकर किया गया था या गलती थी, यह जांच का विषय है। सिसोदिया ने कहा कि केंद्र को यह स्वीकार करना होगा कि वह ऑक्सीजन संकट के लिए जिम्मेदार है।

उपमुख्यमंत्री ने पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखा था कि जांच के बिना यह पता लगाना मुश्किल है कि क्या कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत हुई थी और दिल्ली सरकार विशेषज्ञ कमेटी के गठन के लिए उपराज्यपाल से नए सिरे से मंजूरी मांग रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और अदालतें ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों की संख्या जानना चाहती हैं, लेकिन दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वालों की सही संख्या का पता लगाना संभव नहीं है।

दिल्ली सरकार ने जून में कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों की जांच के लिए चार सदस्यीय विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया था। उपराज्यपाल ने समिति को खारिज कर दिया था।

केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई मौतों की जाँच के लिए कमेटी बनाने का प्रस्ताव फिर से नामंजूर कर दिया है. मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया, श्श्केंद्र सरकार ने दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई मौतों की जांच के लिए कमेटी बनाने का प्रस्ताव फिर से नामंजूर कर दिया है। एक तरफ तो राज्यों से द्व2 की कमी से हुई मौत का आंकड़ा मांगने का ड्रामा करते हैं, दूसरी तरफ जांच कमेटी को रुकवा देते हैं. आखिर क्या छिपाना चाहतों है केंद्र सरकार?

दिल्ली सरकार ने अमित शाह को भी लिखा था पत्रः गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने 16 अगस्त को कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राजधानी में ऑक्सीजन की कमी से संबंधित मौतों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाने के अनुरोध वाली फाइल सोमवार को एक बार फिर से उपराज्यपाल अनिल बैजल को भेजी थी। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे दिल्ली के उपराज्यपाल को ऑक्सीजन से संबंधित मौतों की जांच के लिए कमेटी के गठन को मंजूरी देने का निर्देश दिए जाने आग्रह भी किया था।

सिसोदिया ने कहा था कि हमने एलजी को एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने की मंजूरी के लिए एक फाइल भेजी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ऑक्सीजन की कमी के कारण कितने कोविड रोगियों की मृत्यु हुई।

मैंने अमित शाह को भी पत्र लिखकर एलजी को कमेटी के गठन को नहीं रोकने का निर्देश देने का आग्रह किया है।सिसोदिया ने पहले कहा था कि बैजल ने ऑक्सीजन से संबंधित मौतों की जांच के लिए कमेटी के गठन और ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की मंजूरी नहीं दी थी।

गौरतलब है कि राजधानी कोविड की बेहद क्रूर दूसरी लहर के दौरान सभी अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई थी। इसके चलते पैदा हुए ऑक्सीजन संकट और बेड्स की कमी के कारण कई लोगों की जान चली गई थी।

अफगानिस्तान में तालिबान के आने से भारत-ईरान संबंध और मजबूत होंगे? एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं?

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर पिछले कुछ दिनों में दो बार ईरान का दौरा कर चुके हैं। दोनों बार उन्होंने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से मुलाकात की है। यह बता रहा है भारत ईरान से घनिष्ठ संबंध बनाना चाह रहा है। लेकिन क्यों? इसका सबसे प्रमुख कारण है अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा। लेकिन ये कारण कैसे? आइए इसे समझने की कोशिश करते हैं। डी पी श्रीवास्तव ईरान में भारत के राजदूत रहे हैं। उन्होंने अल–मॉनिटर से बात करते हुए कहा है कि ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के शपथ ग्रहण में भरतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर का होना इस बात का संकेत है कि भारत के लिए ईरान कितना अहम है। इस क्षेत्र में हमारे समान हित हैं। जयशंकर से मिलने के बाद रईसी ने कहा था, श्ईरान और भारत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक रचनात्मक और उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। खासकर अफगानिस्तान में। ईरान क्षेत्र में सुरक्षा स्थापित करने में नई दिल्ली की भूमिका का स्वागत करता है।श रईसी ने तेहरान–नई दिल्ली संबंधों के स्तर को बढ़ाने के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम का भी सुझाव दिया था। तेहरान के जरिए काबुल में एंट्री?: भारत अफगानिस्तान से बॉर्डर नहीं साझा करता है। ऐसे में नई दिल्ली, तेहरान के जरिए काबुल में प्रवेश को देख रही है। भारत लंबे समय से ईरान के साथ मिलकर चाबहार पोर्ट पर काम कर रहा है ताकि अफगानिस्तान तक आसानी से पहुंचा जा सके। इंटरनेशनल रिलेशंस के एक्सपर्ट और स्वीडन के उप्साला यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर अशोक स्वैन ने अल–मॉनिटर से बातचीत में कहा है, श्भारत और ईरान के बीच दशकों से अच्छे संबंध हैं। चीन के साथ ईरान के बढ़ते संबंधों ने भारत–ईरान संबंध को कुछ हद तक प्रभावित किया है,

लेकिन भारत और ईरान दोनों तालिबान नियंत्रित अफगानिस्तान को अपनी राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए एक खतरे के रूप में देखते हैं। ऐसे में दोनों देश एक साथ आकर अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।श अफगानिस्तान की बात आते ही भारत और ईरान के हित एक से नजर आते हैं। 1990 के दशक में भारत और ईरान ने नॉर्दर्न एलायंस का समर्थन किया था जो तालिबान के विरोध में थे। दोनों देशों ने अफगानिस्तान की लोकतांत्रिक सरकार के साथ मिलकर काम किया है। ईरान का चीन की ओर झुकाव क्यों?: तेहरान ने बीजिंग के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। भारत भले ही ईरान को चीन और पाकिस्तान की ओर झुकाव से रोकना चाहेगा लेकिन यह सौदा हो चुका है। ऐसे में यह भारत–ईरान संबंधों को प्रभावित कर सकता है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि चीन वखान कॉरिडोर में अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करता है और ताजिकिस्तान के नजदीक सैन्य उपस्थिति बनाए हुए है। चीन अफगानिस्तान की धरती पर सैन्य उपस्थिति दर्ज करा सकता है जबकि भारत के लिए यह आसान नहीं होगा क्योंकि भारत, अफगानिस्तान से बॉर्डर नहीं साझा करता है। एक बात यह भी है कि भारत के चीन के संबंध ठीक नहीं हैं और हालिया सालों में भारत का झुकाव अमेरिका की ओर दिखा है। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच संबंध ठीक नहीं है और ऐसे में तेहरान और बीजिंग की जरूरत है। अमेरिकी प्रतिबंध हटे तो बात बने?: ईरान के साथ भारत के जॉइंट प्रोजेक्ट्स बहुत धीमी गति से बढ़ रहे हैं। अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद ईरान के साथ भारत के तेल के आयात में भारी गिरावट आई है। भारत चाबहार पोर्ट पर कार्गो हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए फिर से काम कर रहा है क्योंकि भारत को उम्मीद है कि जल्द ही ईरान पर से अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। चाबहार–जाहेदान रेलवे और फरजाद–बी गैस प्रोजेक्ट भी प्रतिबंधों के कारण अटके हुए हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि तेहरान, नई दिल्ली को संभावित इकॉनोमिक पार्टनर के रूप में देखता है लेकिन यह अमेरिकी प्रतिबंधों के हटने पर निर्भर करता है। यदि ऐसा होता है तो ईरान में भारतीय निवेश की संभावना महत्वपूर्ण हो सकती है। लेकिन मौजूदा वक्त में अनिश्चितता के कारण ईरान अपने सभी पत्ते अपने हाथों में रख रहा है। ईरान बहुत सर्तक है और यही कारण है कि उसने चीन के साथ 25 सालों के लिए एक सहयोग पर साइन पर किए हैं। तेहरान के लिए बीजिंग प्लान बी की तरह है।

सीडीओ, एडीएम ने अधिकारी/ कर्मचारियों को दिलाई सद्भावना दिवस प्रतिज्ञा

रायबरेली । जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी के जन्मदिवस को सद्भावना दिवस के रूप में मनाते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा राष्ट्रीय एकता अखंडता को मजबूती प्रदान करने की शपथ ली। इसी प्रकार मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने विकास भवन के कार्यालय कक्ष व अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष, नगर मजिस्ट्रेट युगराज सिंह, उप निदेशक सूचना प्रमोद कुमार, प्रशासनिक अधिकारी बालजी विद्यार्थी द्वारा सद्भावना दिवस मनाया गया। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया व अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष ने अधिकारियोंध्कर्मचारियों को सद्भावना दिवस प्रतिज्ञा दिलाई जिसमें जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किये बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावनाओं के लिए कार्य करेंगे तथा हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद, बातचीत और संवेधानिक माध्यम से सुलझाउगां। इस मौके पर परियोजना निदेशक प्रेमचंद पांडे, डीपीआरओ, समाज कल्याण अधिकारी, प्रोबेशन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, के0बी0 सिंह, डीडीओं एस0एन0 चौरसिया, आदि जिला स्तरीय अधिकारीगण द्वारा सद्भावना दिवस की शपथ ली।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 सितम्बर को, अधिक से अधिक वादों का कराये निस्तारण: जिला जज

रायबरेली । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के दिशा निर्देशन में 11 सितम्बर 2021 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु विगत दिवस समस्त अपर जनपद न्यायाधीशगण व बीमा कंपनियों के अधिवक्ताओं के साथ न्यायालयों में लंबित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रूपरेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आहूत की गयी। जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए कहा कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में पिछले लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार–विमर्श किया गया जिसमें सभी ने अपने–अपने सुझाव साझा किये। बैठक में अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम जैगम उद्दीन, विशेष न्यायाधीश अरुण कुमार मल्ल, विशेष न्यायाधीश एम0पी0ध्एम0एल0ए0 विनोद कुमार बर्णवाल, अपर जनपद न्यायाधीश पॉक्सो–प्रथम विजय पाल, व समस्त अपर जनपद न्यायाधीशगण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित कुमार उपस्थित रहे।

जल बचाव व जल जागरण महिला मिशन शक्ति आदि गतिविधियों को बढ़ाए आगेः ईशा प्रिया

रायबरेली । नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आयोजित जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक विकास भवन के सभागार में अध्यक्षता करते हुये मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि नेहरू युवा केन्द्र अपने विभिन्न कार्यो गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का कार्य बेहतर तरीके से करता है। युवा देश की राष्ट्रशक्ति है। इसका उपयोग देश व समाज के विकास में करें। गांव को साफ स्वच्छ रखना युवाओं को अभिमुखीकरण, महिला मिशन, जल बचाव आदि कार्यो पर विशेष फोकस करें। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि रचनात्मक व सकारात्मक कार्यो के माध्यम से समाज व देश को समृद्धिशाली बनाने में युवा अपनी शक्ति को लगाये। स्वालम्बन, स्वरोजागार, आत्मनिर्भर की दिशा में आगे बढाने को प्रेरित करें। युवा केन्द्र जल बचाव, जल जागरण, आपदा प्रबन्धन, कोरोना जागरूकता, महिला मिशन शक्ति के कार्यो को आगे बढ़ाये। जिला युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी गोपेश पाण्डेय ने समिति की प्रथम बैठक वित्तीय वर्ष 2021–22 की वार्षिक कार्ययोजना को मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया व समस्त सलाहकार समिति के सदस्यों के सम्मुख रखी और विस्तार से जानकारी दी। जिला युवा केन्द्र अधिकारी ने बताया कि युवा कार्यक्रम को सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित एजेण्डा व शासन की गाइड लाइन के अनुरूप कराया जायेगा। बैठक में उपनिदेशक सूचना प्रमोद कुमार, समाज कल्याण अधिकारी डा0 वैभव त्रिपाठी, डीपीआरओ उमाशंकर सिंह, राजेश शर्मा, नीता श्रीवास्तव, राकेश अग्रवाल आदि भी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी शराब व अन्य नशे का आदि होने पर उसकी पत्नी का बैंक में संयुक्त खाता खोलेः भग्गू लाल वाल्मीकि

रायबरेली । एमएस एक्ट के तहत गठित राज्य स्तरीय निगरानी समिति उ0प्र0 शासन समाज कल्याण के सदस्य भग्गू लाल वाल्मीकि ने सर्किट हाउस में अधिकारियों की बैठक करते हुए निर्देश दिये कि वाल्मीकि समाज के साथ ही सम्पूर्ण गरीब समाज के कल्याण के लिए देश व प्रदेश सरकार दृढसंकल्पित है। उनकी समस्याओं का निराकरण तत्काल करें। सफाई कर्मियों का वेतन समय से मिले इनका ईपीएफ कटना जरूरी है। डीपीआरओ को निर्देश दिये कि गांव की साफ सफाई होना जरूरी है। अधिकतर काम नहीं कर रहे है। उनके बदले में दूसरे लोगों को लगा लेते है कहां–कहां सफाई कर्मचारी तैनात है इसकी सूची दें। समस्त ईओं सीवर टैंक की सफाई के लिए नियमानुसार सभी व्यवस्थाओं के साथ सफाई करवाए ताकि कोई अप्रिय घटना न घटित हो। सदस्य भग्गू लाल वाल्मीकि ने कहा कि जो वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मी शराब पीते या गंभीर नशा करते है पत्नी या बच्चों आदि से गलत व्यवहार करते हुए घर खर्च अवगत कराया कि 988 ग्राम

नहीं देते है ऐसे में उनके वेतन के अकाउंट में उनकी पत्नी को भी शामिल कर संयुक्त खाता खुला कर कार्यवाही करे। इसके बारे में पत्नी को भी जानकारी दे दें। डीपीआरओ ने पंचायत है किसी भी ग्राम पंचायत में मैला ढोने का काम शून्य है सभी गांव ओडीएफ है। इस सम्बन्ध में ईओए जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि के कार्यो की भी चर्चा की गयी। इस मौके पर नगर मजिस्ट्रेट युगराज सिंह, उप निदेशक सूचना प्रमोद कुमार, डीपीआरओ उमाशंकर सिंह, सुनीता सिंह आदि सहित वाल्मीकि समाज के लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज–3 का शुभारम्भ 21 अगस्त को

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी ने 'मिशन शक्ति' फेज–3 कार्यक्रम को कार्य योजना के अनुसार सुव्यस्थित ढंग से कराये जाने का दिया निर्देश मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि की अध्यक्षता में गुरूवार को विकास भवन के सभागार में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए 21 अगस्त से 31 दिसंबर, 2021 तक चलने वाले 'मिशन शक्ति' फेज–3 कार्यक्रमों को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने की तैयारियों के सम्बंधा में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को मिशन शक्ति फेज–3 अभियान के तहत कराये जाने वाले कार्यों को सुव्यस्थित ढंग से कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति फेज–3 का वृहद उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलंबी बनाना है, उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराना, जनजागरूकता पैदा करना, आत्मसुरक्षा की कला हेतु प्रशिक्षित करना है। 21 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे से मुख्य कार्यक्रम का शुभारम्भ मोती लाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में किया जायेगा, जिसका लाइव प्रसारण भी दिखाया जायेगा। कार्यक्रम में मा0 जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने मिशन शक्ति फेज–3 के तहत आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंनें पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास, ग्राम्य विकास विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा विभाग, नगर विकास विभाग, युवा कल्याण विभाग सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रमों को सुव्यस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए कहा है। इस बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, क्षेत्राधिकारी अनीता सिंह, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 अजित सिंह, डी0सी0 मनरेगा कपिल कुमार, बीएसए प्रवीण तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाना एवं आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करना : अनुप्रिया

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारम्भ आज सुभाष चौक चौराहे से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पार्क पर जन आशीर्वाद यात्रा का नेतृत्व कर रही केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के द्वारा माल्यार्पण करके किया गया। तत्पश्चात यात्रा मेडिकल चौराहा पर लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा एवं बैरहना स्थित महाराजा हर्षवर्धन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुभाष चौराहा, मेडिकल चौराहा, बैरहना, बागड़ धर्मशाला, लेप्रेसी चौराहा, शंकरलाल ढाल, मेवालाल की बगिया एवं नैनी एडीए मोड़ पर जन आशीर्वाद यात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहना होगा और इसके लिए हम सभी को सरकार की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाना है और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को हमे साकार करना है।

इस दौरान उन्होंने ईएसआईसी वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया और उपस्थित डॉक्टरों से वैक्सीनेशन को लेकर जानकारी प्राप्त किया। उपस्थित लोगों से कहा कि कोरोना से घबराए नहीं हमको और आपको वैश्विक महामारी कोरोना से डटकर मुकाबला करना है और इसके लिए वैक्सीनेशन सबसे बड़ा सुरक्षा चक्र है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष वैक्सीन को लेकर भ्रम न फैलाता तो इतनी बड़ी त्रासदी नहीं होती। लेकिन योगी सरकार जिस प्रकार से कोरोना के ऊपर काबू पाया है वह सराहनीय है और आगे हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार कोरोना के थर्डवेब के आने की सम्भावना को लेकर पूरे तरीके से सजग है।

जन आशीर्वाद यात्रा में मुख्य रूप से सांसद रीता बहुगुणा जोशी, केसरी देवी पटेल, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, अजय भारती, महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, प्रमोद मोदी, संजय गुप्ता, डॉ शैलेश पांडेय, विजय श्रीवास्तव, भरत निषाद, दिलीप केसरवानी, यश विक्रम त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद एवं महानगर एवं मंडल मोर्चा प्रकोष्ठ फसल विभाग के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहें।

योगी जी अपना वादा पूरा करो सड़क को गड्ढा मुक्त करो

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश में बीजेपी की योगी सरकार बने हुए 4 वर्ष से अधिक हो चुके हैं और उत्तर प्रदेश के सीएम कई बार सड़क गड्ढा मुक्त का वादा कर चुके हैं लेकिन आज तक सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हुई सीएम की बातें भी पीएम की तरह जुमलेबाजी साबित हुई प्रयागराज मे सड़कें टूटी फूटी गड्ढे दार क्षतिग्रस्त एवं पूरी तरह बर्बाद हैं इन सड़कों की दुर्दशा सुधारने के लिए कई बार ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन ।प्डप्ड का प्रतिनिधिमंडल अफसर महमूद मंडल प्रवक्ता एवं युवा नेता इफ्तेखार अहमद मंदर की अध्यक्षता में महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी एवं नगर आयुक्त को नगर निगम में जाकर अवगत करा चुका है की करेली के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कें चलने योग्य नहीं है जिसमें खासतौर से करेली की मुख्य सड़कें एवं वार्ड नंबर 63 एवं वार्ड नंबर 80 की इन सड़कों पर चलना दुर्घटना को दावत देना और घायल एवं जान गवाने जैसा है लेकिन शासन और प्रशासन सुध नहीं ले रहा है कान में तेल डालकर सो रहा है और यह पूछने पर कि सड़क क्यों नहीं बन रही है जवाब मिलता है कि बजट नहीं प्रयागराज की जनता जानना चाहती है की बजट कब आएगा और कब हमें बर्बाद सड़कों से मुक्ति मिलेगी उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज रखा और जनता की गाढ़ी कमाई के सैकड़ों करोड़ रुपए नाम बदलने में बर्बाद कर दिए अगर यही सैकड़ों करोड़ रुपये जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे से आप प्रयागराज नाम की योजना लाते और उससे शहर की दुर्दशा सुधारते तो लोग सदियों तक गर्व से प्रयागराज योजना को याद रखते बीजेपी का सारा विकास कागज पर है जमीन पर सिर्फ और सिर्फ बर्बादी के निशान है इससे पहले भी बहुत सी सरकार थी मगर किसी भी सरकार मे इतनी बदहाल सड़कें कभी नहीं रही मोहर्रम एवं रक्षाबंधन का त्यौहार चल रहा है ऐसे में लोग बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलेंगे किसी भी प्रकार की दुर्घटना एवं अनहोनी से प्रयागराज की जनता को बचाने के लिए जल्द से जल्द मलबा डालकर सड़क को कम से कम गड्ढा मुक्त कर दिया जाए ।

तोक्यो पैरालम्पिक में पांच स्वर्ण समेत कम से कम 15 पदक जीतेगा भारत : दल प्रमुख

नयी दिल्ली। तोक्यो पैरालम्पिक में भारत के दल प्रमुख गुरशरण सिंह का मानना है कि भारत इन खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पांच स्वर्ण समेत कम से कम 15 पदक जीतेगा। भारत ने नौ खेलों के लिये 54 खिलाड़ियों का दल भेजा है जो अब तक इन खेलों में सबसे बड़ा भारतीय दल है। भारतीय खिलाड़ी पैरा तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा केनोइंग, पैरा निशानेबाजी, पैरा तैराकी, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा टेबल टेनिस और पैरा ताइक्वांडो मेंभाग लेंगे। भारतीय पैरालम्पिक समिति के महासचिव सिंह ने कहा ,'' मुझे पूरा यकीन है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ पैरालम्पिक खेल होंगे। हमारे पैरा एथलीटों ने काफी मेहनत की है और उसका नतीजा

रहा है। वे अच्छा प्रदर्शन करने को बेताब हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हमें इन खेलों में पांच स्वर्ण समेत कम से कम 15 पदकों की उम्मीद है।हमें पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी और पैरा निशानेबाजी में पदकों की उम्मीद है।'' भारत ने 11 पैरालम्पिक में चार स्वर्ण समेत 12 पदक जीते हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक की अगुवाई में पहला दल तोक्यो पहुंच चुका है। भारतीय दल के ध्वजवाहक थंगावेलु मरियप्पन भी तोक्यो पहुंच गए हैं। पिछले खेलों में ऊंची कूद का स्वर्ण पदक जीतने वाले मरियप्पन ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 1 . 86 मीटर की कूद लगाई थी। उन्होंने कहा ,'' यह रियो के बाद मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। मेरे पैर में 2017 में चोट लगी थी और उससे उबरने में समय लगा। मैं अब खेलों के लिये तैयार हूं और मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है।'' भारत को दो बार के पैरा भालाफेंक खिलाड़ी देवेंद्र झझारिया से भी पदक की उम्मीद है। उनके अलावा मौजूदा विश्व चौम्पियन सुंदर सिंह गुर्जर और अजीत सिंह , विश्व चौम्पियन और विश्व रिकॉर्ड धारी संदीप चौधरी और नवदीप सिंह भी पैरा भालाफेंक में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। पैरा बैडमिंटन में भारत की उम्मीदें पुरूषों के एसएल3 वर्ग में हैं। तीरंदाजी में राकेश कुमार और श्याम सुंदर कंपाउंड में जबकि विवेक चिकारा और हरविंदर सिंह रिकर्व में और महिला तीरंदाज ज्योति बालियान कंपाउंड तथा मिश्रित वर्ग में उतरेंगी। तोक्यो पैरालम्पिक 24 अगस्त से आठ सितंबर तक खेले जायेंगे।

IMA देहरादून से पढ़ा है तालिबान का टॉप कमांडर Sheru, जानिए इसके बारे में

अफगानिस्तान में तख्तापलट के साथ करीब दो दशक के बाद तालिबान का कब्जा हो गया है। माना जा रहा है कि तालिबान के सात सबसे बड़े नेताओं ने मिलकर यह प्लान बनाया था जिसके बाद एक बार फिर से अफगानिस्तान में तालिबान का राज हो गया। इन सात बड़े कमांडरों में से एक है शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई भी है। क्या आपको पता है स्टानिकजई कभी देहरादून की भारतीय मिलिट्री एकेडमी में जेंटलमैन कैडेट था। वह भारतीय मिलिट्री एकेडमी से पास आउट है। उसके साथी उसे शेरू के नाम से बुलाया करते थे। जब शेरू 20 साल का था तो वह आइएमए में पहुंचा था। उस वक्त शेरू तालिबानी आतंकियों की तरह कट्टर नहीं था। पॉलिटिकल साइंस की

पढ़ाई करने के बाद वह आईएमए में आया था। देहरादून के आईएमए में उसने डेढ़ साल की ट्रेनिंग ली। उसके बाद बतौर लेफ्टिनेंट अफगान आर्मी में शामिल हुआ था। यह बात 1982 की है। स्टानिकजई मजबूत शरीर वाला था हालांकि उसकी लंबाई बहुत ज्यादा नहीं थी। एक समाचार पोर्टल के मुताबिक ट्रेनिंग लेने वाले उसके बैचमेट ने बताया कि उसे लोग पसंद करते थे। वह एकेडमी में दूसरे कैडेट से कुछ ज्यादा उम्र का लगता था। उसकी रौबदार मूंछें थीं। वह आईएमए में आकर खुश था। आपको बता दें कि आजादी के बाद से ही विदेशी कैडेटों को आईएमए में प्रवेश मिलता है। अफगान कैडेटों को यह सुविधा 1971 के बाद मिल रही है।

1996 में स्टानिकजई ने सेना छोड़ दी और तालिबान में शामिल हो गया। वह अमेरिकी राष्ट्रपति ब्लिंकन के सरकार ने तालिबान को राजनयिक मान्यता दिए जाने के संबंध में भी वार्ता में शामिल था। वह सालों से तालिबान का प्रमुख वार्ताकार है। वह अंग्रेजी अच्छा बोलता है और उसने भारत में मिलिट्री ट्रेनिंग ली है। इसलिए उसे तालिबान में अच्छा ओहदा मिला हुआ है। वह दोहा के तालिबान ऑफिस में भी लगातार आता जाता रहता है। साल 2012 से स्टानिकजई तालिबान का प्रतिनिधित्व करता रहा है।

तालिबान के कब्जे के बाद हजारों अफगान देश छोड़ रहे, पाकिस्तानी मानव तस्करों की चांदी

कराची। अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद बड़ी संख्या में अफगान नागरिक देश से बाहर जाने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में सक्रिय पाकिस्तानी मानव तस्करों के कारोबार में खासी वृद्धि हुयी है। तालिबान के शासन से बचने के लिए हजारों अफगान देश से भाग रहे हैं और बेहतर जीवन की तलाश में अमेरिका और यूरोप सहित विभिन्न देशों में शरण मांग रहे हैं।

अफगानिस्तान से लगती चमन–स्पिन बोल्डक सीमा के पास एक छोटे से कस्बे से 'काम कर रहे' हमीद गुल ने टेलीफोन पर कहा, "तालिबान के काबुल में प्रवेश करने से पहले से ही कारोबार फल–फूल रहा है। हमने पिछले हफ्ते से अब तक सीमा पार से करीब 1,000 लोगों की तस्करी की है।'' हालांकि गुल ने यह नहीं बताया कि वे अफगान लोगों को पाकिस्तान में लाने के लिए कितने पैसे लेते हैं। लेकिन गुल ने यह भी पुष्टि की कि उसके जैसे कई अन्य लोग

सीमावर्ती शहरों से काम कर रहे हैं। गुल ने कहा, ये लोग इस बात से डर रहे हैं कि तालिबान शासन में क्या होगा ? वे किसी भी तरह से अफगानिस्तान से बाहर निकलना चाहते हैं और इसके लिए जो कुछ भी मांगा जाता है, वे लोग भुगतान करने को तैयार हैं।'' मानव तस्करी में शामिल गिरोहों से वाकिफ एक सूत्र ने कहा कि ऐसे लोग ज्यादातर अशांत बलूचिस्तान प्रांत के चमन, चाघी और बदानी जैसे सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हैं। सूत्र ने कहा कि अधिकतर अनौपचारिक शरणार्थी पाकिस्तान में प्रवेश करने के बाद क्वेटा या अन्य पाकिस्तानी शहरों में चले जाते हैं। उनमें से कुछ लोगों के पहले से ही कराची या क्वेटा में काम करने वाले रिश्तेदार हैं जो उनका समर्थन करतेहैं। क्वेटा से एक साहित्यिक पत्रिका चलाने वाले डॉ शाह मुहम्मद मारी ने कहा कि तालिबान के सत्ता में आने से पहले से ही अफगान नागरिकों की तस्करी होती रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सिर्फ इस साल करीब 55,000 अफगान नागरिक बलूचिस्तान के रास्ते पाकिस्तान में आए हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। वे लोग वहां युद्ध और टकराव से भागना चाहते हैं।

एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी में भारत के कम से कम 21 पदक पक्के

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच प्रतिभागियों की संख्या कम रहने की वजह से दुबई में होने वाली एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चौम्पियनशिप में ड्रॉ खुलने के बाद भारत के कम से

कम 21 पदक पक्के हो गए हैं। भारत का 73 सदस्यीय दल टूर्नामेंट में भाग लेगा जिसमें पुरूष वर्ग में दो और महिला वर्ग में भी जूनियर और युवा दो टीमें उतरेंगे। टूर्नामेंट में 250 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। पदक दौड़ में पहुंचे 21 में से नौ ने सीधे फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय दल टुकड़ों में रवाना हुआ है क्योंकि खिलाड़ियों की कोरोना जांच रिपोर्ट अलग अलग समय पर मिली है।कल 23का दल रवाना हुआ तो सुबह 25 मुक्केबाजों ने दुबई की उड़ान ली। बाकी 25 शाम को रवाना होंगे। एक सूत्र ने बताया ,'' अभी जो 25 सदस्य बचे हैं , उनमें अधिकांश सहयोगी स्टाफ के सदस्य हैं। इस टूर्नामेंट में 18 देशों के मुक्केबाजों को भाग लेना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों की वजह से कई टीमों ने या तो नाम वापिस ले लिया या छोटा दल भेजा है।

पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने अनिल गुप्ता

जौनपुर । भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता नियुक्त किये गये, उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार कश्यप ने की। अनिल गुप्ता की नियुक्ति के बाद भाजपा के कैम्प कार्यालय पर उनका जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, आदि पदाधिकारी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि अनिल गुप्ता के नेतृत्व में पिछड़ा मोर्चा मजबूती से भाजपा पार्टी की रीति और नीति को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अनिल गुप्ता के नाम पर मुहर लगाने पर जिला जौनपुर की तरफ से धन्यवाद जताया, अनिल गुप्ता ने कहा कि वे अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम करेंगे और भाजपा सरकार की जनहित योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में मदद करेंगे। मनोज दुबे, संदीप सरोज, अरविन्द सिंह, आमोद सिंह आदि उपस्थित रहें।

मोहर्रम पर 27 मजिस्ट्रेटों की तैनाती

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा ने अवगत कराया है कि इस वर्ष मुहर्रम चन्द्र दर्शन के अनुसार 10 से प्रारम्भ है। फलस्वरुप 19, 20 अगस्त दशवीं मुहर्रम का मुख्य दिन होगा। उक्त अवसर पर शांति एवं विधि व्यवस्था कायम रखने एवं मोहर्रम का समस्त कार्यक्रम वर्तमान में कोविड–19 के संबंध में दिये गये दिशा–निर्देश का शत–प्रतिशत अनुपालन कराये जाने हेतु थानावार 27 मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है। जो अपने तैनात क्षेत्र में शांति एवं विधि व्यवस्था के लिए भी उत्तरदाई होंगे तथा किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर अपर जिला मजिस्ट्रेट,नगर मजिस्ट्रेट,संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट को तत्काल अवगत कराएंगे। समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने–अपने तहसील के लिए जिम्मेदार होंगे तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट भू राजस्व अपनी–अपनी तहसील क्षेत्र के कानून व्यवस्था के लिए उत्तरदाई होंगे।

अपने हक की लड़ाई लड़ेगा मध्यदेशीय वैश्य समाजः दिनेश गुप्ता

जिसकी जितनी आबादी–उतनी उसकी भागीदारी पर करेंगे संघर्ष

अयोध्या।। 'मध्यदेशीय वैश्य समाज को अपने हक के लिए अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी होगी, मध्यदेशीय वैश्य समाज अब खामोश नहीं रहेगा, अब लड़ाई भागीदारी के आधार पर होगी जिसके लिए हम सभी ने यह तय किया है की आगामी संघर्ष ''जिसकी जितनी आबादी–उतनी उसकी भागीदारी'' की योजना के तहत मध्यदेशीय वैश्य समाज आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करायेगा' उक्त उद्गार स्थानीय रानोपाली स्थित मध्यदेशीया भवन में मध्यदेशीया वैश्य समाज की बैठक को संबोधित करते हुए नव नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता (चेयरमैन बेल्थरा रोड नगर पंचायत) व्यक्त किये। वहीं संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष मनीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि ''सितम्बर माह में पलवईया धाम से निकलने वाली गणीनाथ जी महाराज की रथ यात्रा से सत्तादल व विपक्ष दलों को मध्यदेशीय वैश्य समाज की ताकत का आभास निःसंदेह हो जाएगा।'' बैठक को नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री गिरीशचन्द्र गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मध्यदेशीय वैश्य समाज के वरिष्ठ नेता केशव बिगुलर एडवोकेट ने कहा ''पूज्य गणीनाथ जी महाराज की शोभायात्रा का जनपद अयोध्या में बंधा तिराहा अयोध्या से लेकर लोहिया पुल तक जोरदार स्वागत व अभिनन्द किया जाएगा जिससे अन्य समाजों मे भी मध्यदेशीय वैश्य समाज की जोरदार उपस्थिति ज्ञात होगी''। बैठक को संबोधित करते हुए बस्ती के पूर्व जिला पंचायत सदस्य उमेश चन्द्र मध्यदेशिया ने कहा कि आज आवश्यकता है हमारे समाज को एकजुट होकर अपनी एकजुटता का एहसास शासन सत्ता में बैठे लोगों को करावें तभी हमारे समाज का वास्तविक कल्याण होगा। समाज के सूत्रों के अनुसार बैठक के पूर्व श्री गणीनाथ जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित करके अतिथियों ने बैठक का शुभारम्भ किया, बैठ में पूर्व जिला महामंत्री नितिन गुप्ता एवं पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कौशल किशोर गुप्ता द्वारा अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व युवा प्रदेश अध्यक्ष तथा प्रदेश महामंत्री को अंगवस्त्रम प्रदान करते हुए स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों का सम्मान किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से भानचन्द्र गुप्ता, आरजू गुप्ता, उत्तम गुप्ता, आनन्द गुप्ता, सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट, डॉ0 विष्णु गुप्ता, ज्योति गुप्ता, संजय गुप्ता, संजीव कुमार गुप्ता एडवोकेट, प्रदीप कुमार गुप्ता एडवोकेट, रामकुमार गुप्ता, कैलाश गुप्ता आदि समाज के कई गणमान बन्धु उपस्थित रहे।

सिडनी में लॉकडाउन बढ़ाया गया, घर से बाहर निकलने वालों के लिए मास्क जरूरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में लॉकडाउन

सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और कोरोना वायरस के डेल्टा प्रकार पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम शुक्रवार को लागू किए गए जिसमें कर्फ्यू और लोगों द्वारा बाहर निकलने पर मास्क लगाना शामिल है। न्यू साउथ वेल्स प्रांत में 24 घंटे की अवधि में कोविड–19 के 642 नये मामले सामने आये हैं। सिडनी हवाई अड्डे से एक अमेरिकी कार्गो के चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाले एक वाहन के चालक के अधिक संक्रामक डेल्टा प्रकार से संक्रमित होने का पता चलने के बाद जून के अंत से सिडनी में लॉकडाउन लगाया गया था। तब से, न्यू साउथ वेल्स में कोविड–19 से 65 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से चार व्यक्तियों की मौत कल रात हुई। सिडनी में लॉकडाउन 28 अगस्त को समाप्त होना था लेकिन प्रांतीय सरकार ने घोषणा की कि यह 30 सितंबर तक जारी रहेगा। पूरे प्रांत में पिछले सप्ताह से लॉकडाउन है। सबसे अधिक प्रभावित सिडनी उपनगरों में सोमवार से रात नौ बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। पूरे प्रांत में घरों के बाहर निकलने पर मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

देवर पर मकान कब्जाने का महिला ने लगाया आरोप

बेटी के साथ छेड़खानी करने वाले देवर व उसके परिजनों पर कार्रवाई की मांग

फतेहपुर। नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ करने वाले देवर व उसके परिवार पर खलीलनगर स्थित मोहल्ला की रहने वाली महिला ने अपने घर पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की मांग किया। खलीलनगर मोहल्ला निवासी उजमा अली पत्नी अहमद अली ने बताया कि उनके पति विदेश में नौकरी करते हैं। 20 दिनों पूर्व तक उनके देवर मोहम्मद अली व उनकी पत्नी गुलनाज उनके घर मे रहते थे। बीते 22 जून को देवर मो अली ने उनकी 14 वर्षीय बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। जिसके बाद उनके द्वारा पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी।

पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नही किया गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से आरोपी देवर मो0 अली व उनकी पत्नी गुलनाज घर छोड़ कर चले गये, लेकिन तीन अगस्त को देवर मो अली व उनकी पत्नी गुलनाज उनके खलीलनगर स्थित आवास में जबरन घुसने लगे जिसका उनके द्वारा विरोध किया गया। देवर मो0 अली व देवरानी गुलनाज पर अपराधिक तत्व के लोगो को संरक्षण देती है। बताया कि देवर मो0 अली व गुलनाज उनके मकान पर जबरन कब्जा करना चाहते है जबकि मकान उनके द्वारा क्रय किया गया है। जिसका बैनामा व नगर पालिका परिषद में असिसमनेट उनके नाम पर दर्ज है। बताया कि उनके ससुर का पैतृक मकान आबूनगर मोहल्ला स्थित पुलिस चौकी के निकट है जिसे देवर मो0 अली द्वारा किराये पर उठा रखा है। उन्होंने देवर व देवरानी से स्वयं व अपने परिवार की सुरक्षा किये जाने की गुहार लगाते हुए आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया।

चीन ने जोड़े को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए तीन-बाल नीति को दी मंजूरी

बीजिंग। चीन की राष्ट्रीय विधायिका ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा लायी गयी तीन बच्चों की नीति का शुक्रवार को औपचारिक रूप से समर्थन किया। यह नीति दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश में तेजी से कम होती जन्म दर को रोकने के मकसद से लायी गयी है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति ने संशोधित जनसंख्या एवं परिवार नियोजन कानून को पारित कर दिया जिसमें चीनी दंपत्तियों को तीन बच्चे तक पैदा करने की अनुमति दी गयी है। चीन में बढ़ती महंगाई के कारण दंपति कम बच्चे पैदा कर रहे हैं और इन चिंताओं से निपटने के लिए कानून में अधिक सामाजिक और आर्थिक सहयोग के उपाय भी किए गए हैं। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' के अनुसार, नए कानून में बच्चों के पालन–पोषण और उनकी शिक्षा का खर्च कम करने के साथ ही परिवार का बोझ कम करने के लिए वित्त, कर, बीमा, शिक्षा, आवासीय और रोजगार संबंधी सहयोगात्मक कदम उठाए जाएंगे। इस साल मई में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने दो बच्चों की अपनी सख्त नीति में छूट देते हुए सभी दंपतियों को तीन तक बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी। चीन ने दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति को रद्द करते हुए 2016 में सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी। नीति निर्माताओं ने देश में जनसांख्यिकीय संकट से निपटने के लिए एक बच्चे की नीति को जिम्मेदार ठहराया था।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

रक्षाबंधन विशेषः राखी की थाली को इन तरीकों से सजाएं, लगेगी बेहद खूबसूरत

वैसे तो आजकल मार्केट में तरह–तरह की सजावट वाली राखी की थालियां उपलब्ध हैं, लेकिन अगर बहनें चाहें तो उनसे भी खूबसूरत थाली घर पर बना सकती हैं। राखी की थाली को सजाने के लिए उन्हें मार्केट से क्राफ्ट का सामान लाना होगा और फिर आसानी से वे थाली को सजा सकती हैं। आइए आज हम कुछ ऐसे बेहतरीन आइडियाज बताते हैं जिन्हें अपनाकर बहनें राखी की थाली को आसानी से सजा सकती हैं।

क्राफ्ट पेपर, रिबन और आर्टिफिशियल फूल से सजाएं थाली

सामग्रीरू एक डिजाइनर क्राफ्ट पेपर, एक पतला गोल्डन रिबन और दो–तीन आर्टिफिशियल फूल। थाली को सजाने का तरीकारू सबसे पहले एक स्टील की थाली के अंदर अपने पसंदीदा डिजाइनर क्राफ्ट पेपर को फेविकोल से चिपकाएं। अब थाली के किनारे पर पतला गोल्डन रिबन चिपकाएं। इसके बाद थाली के ऊपर दो या फिर तीन आर्टिफिशियल फूल चिपकाएं। अंत में थाली को कुछ देर के लिए पंखे के नीचे छोड़ दें ताकि फेविकोल अच्छे से सूख जाए।

कपड़े और गोटे के इस्तेमाल से सजाएं थाली

सामग्रीरू पसंदीदा रंग और डिजाइन वाला एक कपड़ा और एक मीटर गोटा। थाली को सजाने का तरीकारू सबसे पहले एक स्टील की थाली के अंदर अपने पसंदीदा डिजाइन और रंग वाले कपड़े को फेविकोल से चिपकाएं। ध्यान रखें कि थाली को सजाने के लिए सूती कपड़े या फिर ऐसे कपड़े का इस्तेमाल करना है जो थाली पर आसानी से चिपक जाए। इसके बाद थाली के किनारे पर गोटा पट्टी चिपकाकर इसे कुछ देर के लिए पंखे के नीचे रख दें।

वेलवेट के कपड़े से सजाएं राखी की थाली

सामग्रीरू एक वेलवेट का कपड़ा और मोती की लड़ी। थाली को सजाने का तरीकारू सबसे पहले थाली के अंदर अपनी पसंद अनुसार एक वेलवेट का कपड़ा फेविकोल से चिपकाएं। अब थाली के अंदर के किनारे और थाली के बाहरी हिस्से पर मोती की लड़ी चिपकाएं। आप चाहें तो थाली के बाहरी हिस्से पर गोटा पट्टी भी लगा सकती हैं। अंत में कुछ देर के लिए थाली को पंखे के नीचे रखकर छोड़ दें।

छोटे–छोटे शीशों से सजाएं थालीः सामग्रीः ऑयल पेस्टल वॉटर कलर, छोटे–छोटे शीशे और आपका पसंदीदा सजावटी सामना। थाली को सजाने का तरीकारू सबसे पहले स्टील की थाली को अपने पसंदीदा ऑयल पेस्टल वॉटर कलर से रंगें और फिर इसे सुखाने के लिए पंखे के नीचे छोड़ दें। जब रंग अच्छे से सूख जाए तो थाली पर किसी भी डिजाइन में छोटे–छोटे शीशे फेविकोल से चिपकाएं। आप चाहें तो मोती और गोटा भी थाली पर चिपका सकते हैं। यकीनन इनसे राखी की थाली काफी खूबसूरत लगेगी।

ट्रडिशनल किरदारों में नजर आने वालीं डोनल बिष्ट रियल लाइफ में बेहद बोल्ड

टीवी पर ट्रडिशनल किरदारों में नजर आने वालीं डोनल बिष्ट

रियल लाइफ में बेहद बोल्ड हैं। वह सोशल मीडिया पर भी अपनी बोल्ड और सेक्सी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

बेहद बोल्ड हैं डोनलः अपनी इसी बोल्डनेस के कारण डोनल बिष्ट ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ चुकी हैं। पर वह उन्हें इसके लिए करारा जवाब भी दे चुकी हैं। डोनल बिष्ट ने जब भी बिकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर कीं, यूजर्स ने उन्हें खरी–खोटी सुनाई। पर इस बार कुछ और ही मामला है।

डोनल बिष्ट ने वाइट कलर का स्विमसूट पहन फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में डोनल बिष्ट का ग्लैमरस और सेक्सी अंदाज फैन्स को खूब भा रहा है। वो डोनल की खूबसूरती और बोल्डनेस की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। किसी ने उन्हें श्हॉट चैन्य तो किसी ने श्क्यूट्य वहीं कुछ ने श्फायरय्य बताया।

डोनल बिष्ट ने अपनी इन तस्वीरों और हॉट अदाओं से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। वहीं कुछ महीने पहले जब डोनल बिष्ट ने बिकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर की थीं कुछ यूजर्स ने उन्हें खूब बुरा–भला सुनाया था और जमकर कोसा था। तब डोनल बिष्ट ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था।

तब डोनल बिष्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन ट्रोलर्स को जवाब देते हुए लिखा था, श्कपड़े महिलाओं के चरित्र का निर्धारण नहीं कर सकते। किसी भी महिला को उसके कपड़ों से जज ना करें। उसे उसके दिल से जज करें।य

करियर की बात करें तो डोनल बिष्ट ने साल 2014 में शोबिज इंडस्ट्री में कदम रखे थे। साल 2014 में वह दूरदर्शन के शो शचित्रहारय्य को एंकर कर रही थीं। इसके बाद 2015 में उन्होंने टीवी की दुनिया में ऐक्टिंग डेब्यू किया।

तब से लेकर अब तक डोनल बिष्ट श्एयरलाइंस्य, श्कलश–एक विश्वास्य, श्एक दीवाना थाय, श्लाल इश्कय, श्रूपरू मर्द का नया स्वरूपय और श्दिल तो हैपी है जीय जैसे टीवी शोज में काम किया। ऐक्ट्रेस बनने से पहले डोनल बिष्ट एक जर्नलिस्ट भी रहीं।

मैं सिंदूर तब लगाऊंगी, जब मेरा मन करेगाः दिशा परमार

शादी के बाद कुछ लोगों ने सिंदूर न लगाने की वजह से एक्ट्रेस दिशा परमार से सवाल किए हैं और इसे लेकर कई तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर लिखता है, श्आपने फिर से सिंदूर नहीं लगाया?य दूसरा यूजर लिखता है, श्अगर सिंदूर लगाती तो और खिलतीं।य दिशा ने इन सवालों और कमेंट्स का जवाब देते हुए लिखा, श्मेरे सिंदूर न लगाने की वजह से जो लोग मेरे पोस्ट पर निगेटिविटी फैला रहे हैं, उनसे कहना चाहती हूं कि यह मेरी च्वॉइस है! मैं सिंदूर तब लगाऊंगी, जब मेरा मन करेगा।

मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है और न ही मेरे पति और परिवार को इससे कोई दिक्कत है, तो फिर आप क्यों परेशान हैं?य ऐसा नहीं है कि दिशा बिलकुल भी सिंदूर नहीं लगाती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐसी कई फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। दिशा को पहले भी इसी तरह के सवाल का सामना करना पड़ा था। जब कपल फैंस से इंटरैक्ट करने के लिए इंस्टाग्राम पर लाइव आए थे, तब एक फैन ने उनसे पूछा कि दिशा ने सिंदूर क्यों नहीं लगा रही हैं? इस पर दिशा राहुल की ओर इशारा करते हुए कहती हैं, श्इन्होंने लगाया ही नहीं। इनके पास टाइम ही नहीं है, जबकि इन्होंने श्बिग बॉस्य में वादा किया था कि ये हर दिन मुझे सिंदूर लगाएंगे।य मालूम हो कि दिशा परमार शादी के बाद की जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठा रही हैं, जिसकी झलक वे अपने फैंस को सोशल मीडिया पर देती रही हैं। वे 16 जुलाई को सिंगर राहुल वैद्य के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। कपल ने शादी से जुड़े कई वीडियोज और फोटोज फैंस के लिए शेयर किए हैं। अब एक्ट्रेस ने पिंक साड़ी में अपनी कुछ खूबसूरत फोटोज पोस्ट की हैं।एक्ट्रेस ने ये फोटोज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से करीब 20 घंटे पहले शेयर की हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरती पर हर कोई फिदा हो गया है। फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

किशोर कुमार की बनेगी बायोपिक फिल्म, उनके बेटे अमित कुमार करेंगे निर्माण

गायक किशोर कुमार ने अपनी आवाज से भारतीय सिनेमा में एक अलग मुकाम हासिल किया था। जितनी लोकप्रियता किशोर को मिली, शायद ही बॉलीवुड में किसी अन्य गायक को यह नसीब हुआ होगा। काफी समय से किशोर की बायोपिक को लेकर चर्चा होती रही है। अब जानकारी सामने आ रही है कि किशोर के बेटे अमित कुमार खुद अपने पिता की बायोपिक फिल्म का निर्माण करने वाले हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में इस संबंध में जानकारी दी है।

अमित ने खुलासा किया है कि वह अपने पिता किशोर की बायोपिक का निर्माण खुद करने वाले हैं। उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से इरादा था कि हम उनपर बायोपिक बनाएंगे। आखिर उन्हें (किशोर को) उनके परिवार से बेहतर कौन जानता है? उन्होंने इस बायोपिक फिल्म को लेकर आगे कहा, हम अपने पिता के बारे में अपने परिवार के साथ इंटरव्यूज की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

अमित का मानना है कि इस बायोपिक फिल्म की शूटिंग शुरू होने में कुछ वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट को तैयार करने में कम–से–कम एक साल का समय लग सकता है। अमित ने बताया, स्क्रिप्ट तैयार करने में कम–से–कम एक साल लगेगा।

यह बहुत कड़ी मेहनत वाला काम है। आगे एक बहुत एक लंबा सफर तय करना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो निश्चित तौर पर हमें एक अच्छी बायोपिक देखने को मिलेगी।

दिवंगत गायक किशोर के बेटे अमित, सुमित कुमार और उनकी पत्नी लीना चंदावरकर ने फैसला किया है कि वे किशोर के जीवन पर बनने वाली बायोपिक फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। साथ ही फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी भी किशोर के परिवार के जिम्मे होगा। इससे पहले कई फिल्म निर्माताओं ने उनकी बायोपिक बनाने की कोशिश की थी। इन लोगों में शूजित सरकार और अनुराग बसु जैसे दिग्गज कलाकारों का नाम शामिल है।

किशोर हिन्दी फिल्मों के महान गायक, अभिनेता, निर्माता और पटकथा लेखक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने हिन्दी सहित कई क्षेत्रीय भाषाओं में गाने गाए हैं। किशोर के करियर की शुरुआत एक अभिनेता के रूप में 1946 में आई फिल्म शिकारी से हुई थी। वर्ष 1948 में रिलीज हुई फिल्म जिद्दी में किशोर को पहली बार गाने का मौका मिला था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और कई हिट गाने गाए।

हर गर्भवती महिला को फॉलो करना चाहिए ये खास डाइट प्लान

आमतौर पर डॉक्टर्स हर व्यक्ति को पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं। लेकिन जब बात हो गर्भावस्था की तो गर्भावस्था आहार में ऐसी चीजों को शामिल किया जाना चाहिए जिसमें पोषक तत्वों की भरमार हो। इतना ही नहीं गर्भावस्था आहार में विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन, कैलोरी की मात्रा भी भरपूर मिली होनी चाहिए। आइए जानें गर्भावस्था आहार में किन–किन चीजों को शामिल किया जा सकता है।

पानी और ताजे फलों का रस – गर्भवती महिला को अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। ताजा खाने के साथ–साथ ताजे फल, ताजा जूस और उबला हुआ दूध और उससे बने पदार्थों का ही सेवन करना चाहिए।

विटामिन से भरपूर – गर्भावस्था में आवश्यक विटामिन खासकर विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थों का गर्भावस्था के दौरान भरपूर सेवन किया जाना चाहिए। यानी गर्भवती महिला को प्रतिदिन खनिज, कैल्शियम और विटामिन की सही मात्रा अपने खाने में शामिल करनी चाहिए। इतना ही नहीं फोलिड एसिड भी बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आयरन युक्त आहार – लौह युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन भी गर्भावस्था के दौरान बहुत जरूरी है। ये न सिर्फ खून की कमी को दूर करता है बल्कि हड्डियों को भी मजबूत करता है।

वसायुक्त आहार – गर्भावस्था में ऐसा भोजन करना चाहिए जो शरीर में वसा कोशिका को न बनने दे यानी मोटापा कम बढ़े। उबला हुआ भोजन खाना गर्भावस्था के समय सबसे बढिया है। जंकफूड को बिल्कुल नजरअंदाज करना चाहिए।

फोर्टिफायड फूड – गर्भावस्था आहार में कम से कम नमक का इस्तेमाल करते हुए फोर्टिफायड फूड लेना चाहिए। गर्भवती महिला को गेहूं, ओट मिल और अनाज की ब्रेड का ही सेवन करना चाहिए।

अन्य आहार – साथ ही कुछ चीजें जैसे मांस, अंडा, मछली, नट्स, दूध, दही और पनीर, पालक, गाजर, आलू, मक्का, मटर, संतरे, अंगूर, तरबूज और जामुन, ब्रेड, अनाज, चावल का सेवन गर्भावस्था के दौरान अवश्य ही करना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान डॉक्टर के कुछ उपयोगी टिप्स जरूर ध्यान में रखने चाहिए। साथ ही डॉक्टर की सलाहानुसार अपने खान–पान में बदलाव करना चाहिए।